बर्षः- 06
अंकः- 67
मुरादाबाद
(Saturday)
27 June 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

बिना फायर एनओसी बिजली का कनेक्शन, व्यापार का लाइसेंस नहीं, सभी बड़े भवनों का फायर सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा और कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि आस्था के साथ खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई और दूध का दूध, पानी का पानी होगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर कहा, एसआईटी की रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई है। जन आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं है। दूध का दूध और पानी का पानी होगा। सीएम योगी ने यह बातें देवरिया में 456 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में कहीं। सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, एक पक्ष कहता था कि राम हैं ही नहीं यानी अयोध्या को भी ये लोग नकारना चाहते थे। लगातार न्यायालय में मुकदमा लड़ते रहे, वकीलों की फौज राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के खिलाफ खड़ी करते रहे और दूसरा पक्ष वो है जो जय श्री राम बोलने पर लाठी और गोली चलाते थे। भगवान राम का नाम लेने पर जो लोग गोली चलाते थे आज वे कहते हैं कि आस्था के साथ खिलवाड़ हुआ। अरे तुम हमें आस्था बताओगे? राम नवमी पर दंगा करवाते थे, श्री कृष्ण जन्मोत्सव को प्रतिबंधित करते थे, कांवड़ यात्रा को नहीं निकलने देते थे, दुर्गा पूजा में दंगा करवाते थे... याद कीजिए कांग्रेस ने देश को लूटा ही नहीं था, नोंचा था। बेइमानी और भ्रष्टाचार के जो कीर्तिमान स्थापित किए थे और वे लोग आज अयोध्या पर आक्षेप लगा रहे हैं? ये स्वीकार्य नहीं।सरकार की जो मंशा है, सरकार ने पहले दिन कहा कि दूध का दूध और पानी का पानी सभी के सामने आएगा। लेकिन मैं फिर से अपील करूंगा कि राम भक्तों की अग्नि परीक्षा मत लो, उनकी आस्था के साथ खिलवाड़ करना बंद कीजिए। अगर तथ्य या प्रमाण नहीं है तो आरोप-प्रत्यारोप बंद करो और प्रमाण हैं तो एसआईटी के सामने पेश करो।बिना नाम लिए केजरीवाल पर भी साधा निशाना- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, %दिल्ली से भी एक सज्जन वहां(अयोध्या) आए हैं आज। मैं उनसे भी कहना चाहूंगा कि दिल्ली की जनता ने उन्हें कई वर्षों तक अवसर दिया लेकिन उन्होंने दिल्ली को भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं दिया। अगर यही न्याय जो अयोध्या के साथ डबल इंजन की भाजपा सरकार ने किया है, आम आदमी पार्टी दिल्ली के साथ करती तो दिल्ली भी ऐसे ही चमकती जैसे अयोध्या धाम चमक रहा है।% मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश भर में सभी बड़े भवनों में फायर सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य कर दिया गया है। कोचिंग संस्थानों, शॉपिंग मॉल, सरकारी भवन नर्सिंगहोम, मेडिकल कॉलेज, अस्पताल और अन्य व्यावसायिक व औद्योगिक प्रतिष्ठानों की जांच कर सुरक्षा मानकों का पालन कराया जाएगा।बिना अग्निशमन एनओसी के भवनों को व्यापार लाइसेंस या बिजली का कनेक्शन नहीं मिलेगा। इस संबंध में आवास एवं नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव गुरुप्रसाद ने शासनादेश जारी किया है। अलीगंज के कोचिंग संस्थान में हुए अग्निकांड के बाद सीएम योगी के निर्देश पर प्रदेश भर में सभी बड़े भवनों में फायर सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य कर दिया गया है। कोचिंग संस्थानों, शॉपिंग मॉल, सरकारी

बिना फायर एनओसी बिजली का कनेक्शन, व्यापार का लाइसेंस नहीं, सभी बड़े भवनों का फायर सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य

भवन नर्सिंगहोम, मेडिकल कॉलेज, अस्पताल और अन्य व्यावसायिक व औद्योगिक प्रतिष्ठानों की जांच कर सुरक्षा मानकों का पालन कराया जाएगा।सरकार ने आग की घटनाओं को रोकने के लिए सभी जिलों में टास्क फोर्स बनाने के भी निर्देश दिए हैं। आवास एवं नियोजन विभाग की ओर से जारी शासनादेश में सभी विकास प्राधिकरणों और आवास विकास परिषद को तत्काल इस व्यवस्था को कड़ाई से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।अवैध गतिविधियां मिलने पर प्रवर्तन अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई करने और एनओसी जारी करने वाले अधिकारियों का उत्तरदायित्व तय करने के निर्देश दिए गए हैं। अग्निशमन, बिजली विभाग विकास प्राधिकरण और नगर निगम के कागजातों की जांच करें। अग्निकांड होने पर संबंधित विभागों का रिस्पॉन्स टाइम न्यूनतम करने और त्वारित उपचार के लिए अस्पतालों में जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। सभी अस्पतालों का फायर ऑडिट भी कराएं। तहसील में बनेंगे अग्निशमन केंद्र- बेसमेंट में कोचिंग संस्थान व लाइब्रेरी चलाने पर तुरंत रोक लगाई जाएगी। 15 मीटर से कम ऊंचाई वाले भवनों के लिए सेल्फ सर्टिफिकेट लेना होगा। हर तहसील में अग्निशमन केंद्रों का निर्माण किया जाएगा। शासनादेश में कहा गया है कि भवनों, प्रतिष्ठानों व संस्थानों में प्रवेश और निकासी के लिए अलग-अलग द्वार हों।

रामलला के दरबार पहुंचे दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, बोले- सुख-समृद्धि की कामना की

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अयोध्या आकर रामलला के दर्शन करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। रामलला का दर्शन करने के बाद वो हनुमानगढ़ी दर्शन करने पहुंचे और सुख-समृद्धि की कामना की।दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को रामनगरी अयोध्या पहुंचे।

सुबह करीब 11 बजे उन्होंने रामलला के दरबार में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद वो हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन करने पहुंचे।

उनके साथ आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी मौजूद रहे। दर्शन से पहले केजरीवाल ने कहा कि वह भगवान राम से देशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करेंगे। उन्होंने बताया कि रामलला के दर्शन के बाद वह हनुमानगढ़ी जाकर पूजा-अर्चना करेंगे। इसके उपरांत संत-महात्माओं से मुलाकात का भी उनका कार्यक्रम है।अयोध्या दौरे के दौरान पार्टी के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। केजरीवाल ने कहा कि अयोध्या आकर रामलला के दर्शन करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने बताया कि शाम करीब चार बजे वह पत्रकार वार्ता को संबोधित करेंगे।

केंद्र सरकार पर संजय राउत का हमला, कहा- राम मंदिर के चढ़ावे के पैसे से खरीदे जा रहे सांसद

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने राम मंदिर चढ़ावा मामले में मुख्य आरोपियों के अब भी ट्रस्ट में होने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि कथित गड़बड़ी का पैसा सांसदों की खरीद-फरोख्त में इस्तेमाल हुआ है।राम मंदिर चढ़ावा विवाद के मामले पर सियासत तेज हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) से राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने भी बड़ा सवाल खड़ा किया है। शुक्रवार को प्रेसवार्ता कर कहा कि राम मंदिर चढ़ावा के मुख्य आरोपी अभी भी फरार हैं। इसका इस्तेमाल सांसदों को खरीदने में किया जा रहा है। राज्यसभा सदस्य संजय राउत

ने क्या कहा? - शिवसेना (यूबीटी) से राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने शुक्रवार को अयोध्या राम मंदिर चंदे में कथित हेराफेरी के मामले में 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने पर कहा, %मुख्य आरोपी अभी भी ट्रस्ट में काम कर रहे हैं। जो लोग खुद को हिंदुत्ववादी मानते हैं, वे मंदिर से करोड़ों रुपये चुराते हैं

और यह पैसा राजनीति में आता है, जहां इसका इस्तेमाल सांसदों को खरीदने और राजनीतिक दलों को तोड़ने के लिए किया जाता है। आपने राम मंदिर से चुराए गए 2000 करोड़ रुपये का इस्तेमाल टीएमसी और शिवसेना (यूबीटी) के सांसदों को तोड़ने के लिए किया।शिवसेना (यूबीटी) राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने ऑपरेशन टाइगर के तहत शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसद एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होने पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन टाइगर के तहत कुछ नहीं हुआ है। आप टाइगर को बदनाम मत करो। एक तो मान लिया ना? हम सब लोग आज भी टाइगर हैं। अगर हम टाइगर हैं, तो जो आपके साथ चले गए वह कौन हैं? लोमड़ी है। आप लोग लोमड़ी हैं, हम टाइगर हैं। आप टाइगर के आस-पास नहीं जा सकते हो, इसीलिए लोगों को वाई प्लस की सुरक्षा दी गई है।उन्होंने कहा कि लोगों को टाइगर से डरना चाहिए, वह आप लोगों को खा सकता है। आप लोग सुरक्षा और मंत्रालय में बैठकर हमसे बात कर रहे हो, सबसे पहले आपको अपनी पार्टी बनानी चाहिए, शिवसेना हमारी पार्टी है, वह आप लोगों की नहीं है। आपने सुप्रीम कोर्ट, चुनाव आयोग और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आशीर्वाद से हमारी पार्टी ले ली है। आप पहले खुद का सिंबल लेकर चुनाव लड़ें, उसके बाद हमसे बात करना।संजय राउत ने कहा कि यह ऑपरेशन डैमेज कंट्रोल की क्या बात है? गद्दार तो चले गए, अब डैमेज क्या? वहां जो कार्यकर्ता हैं, लाखों, जो वफादार हैं, निष्ठावान हैं, एक भी शिवसैनिक इन गद्दार सांसदों के साथ नहीं गया है। तो, उनको मिलना हमारा कर्तव्य है, हमारा काम है, हम जा रहे हैं। पाँच के पाँच जगह पर महाराष्ट्र में जाएंगे। एक मुंबई में है, वहां जाकर आए हैं।

संक्षिप्त समाचार

पंचायत चुनाव पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाने के सरकारी आदेश पर लगाई रोक

उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव टालने के सरकारी फैसले पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। साथ ही प्रशासक नियुक्त करने के फैसले को सांविधानिक प्राविधानों के विपरीत बताया है। कहा कि जिन नियमों के तहत प्रशासक नियुक्त किया गया है वह उन नियमों को पहले ही असंवैधानिक घोषित किया जा चुका है। मामले की अगली सुनवाई के लिए 13 जुलाई की तिथि निर्धारित की गई है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पंचायत चुनाव में देरी को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर कड़ा रुख अपनाया है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की पीठ ने अरविंद राठौर की याचिका पर सुनवाई करते हुए 25 मई 2026 और 26 मई 2026 के उन सरकारी आदेशों को गैर-मौजूद (असंवैधानिक) करार दिया, जिनसे चुनाव टाले गए थे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ये आदेश अधिनियम, 1947 की धारा 12 (3-ए) के तहत पारित किए गए थे, जिसे प्रमोद लाल पटेल बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामले में उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने पहले ही असंवैधानिक घोषित कर दिया था। तहत पंचायतों का कार्यकाल पांच साल का निश्चित होता है और चुनाव समय पर होने चाहिए। राज्य सरकार ने ओबीसी आयोग की रिपोर्ट लंबित होने को देरी का कारण बताया, जिस पर कोर्ट ने हैरानी जताई कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बावजूद ओबीसी आयोग ने अब तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की है।

ड्रग माफियाओं पर बड़ा प्रहारः अमित शाह ने जारी किया नया रोडमैप, छह हजार करोड़ के नशीले पदार्थ किए गए नष्ट

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज एनसीओआरडी की 10वीं बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान वह %नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029% जारी किया। इससे देश को ड्रग्स मुक्त बनाने का रोडमैप पेश किया गया। बैठक में ड्रग तस्करी, सिंथेटिक ड्रग्स, डार्कनेट नेटवर्क और पुनर्वास रणनीति पर चर्चा हुई। देश में नशीले पदार्थों के कारोबार के खिलाफ केंद्र सरकार अपनी कार्रवाई को और तेज करने जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को नारको-कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्ष-स्तरीय बैठक की की। इस दौरान उन्होंने %नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029% जारी किया। इससे देश को ड्रग्स मुक्त बनाने के लिए अगले तीन वर्षों का रोडमैप

तय किया गया। बैठक में केंद्र और राज्य सरकारों के साथ विभिन्न जांच एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। गृह मंत्रालय और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की ओर से आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य देशभर में ड्रग तस्करी और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ चल रहे अभियानों की समीक्षा करना और उन्हें और मजबूत बनाना है। बैठक में विभिन्न मंत्रालयों, राज्य सरकारों और ड्रग कानून लागू करने वाली एजेंसियों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। सरकार का कहना है कि ड्रग्स के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस नीति को और प्रभावी बनाने के लिए सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है।सभी संबंधित एजेंसियों और अधिकारियों को एनसीबी की वार्षिक रिपोर्ट को ध्यान से पढ़ना चाहिए। अगले एक वर्ष में किसी भी सूचकांक (इंडिकेटर) में गिरावट नहीं आनी चाहिए। हर मानक में उल्लेखनीय सुधार होना चाहिए और यह अगले वार्षिक रिपोर्ट में भी दिखाई देना चाहिए। नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई खुफिया जानकारी (इंटेलिजेंस) आधारित होनी चाहिए। ड्रग तस्करी से निपटने के लिए नेटवर्क-केंद्रित (नेटवर्क-सेंट्रिक) रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। नशे के कारोबार के खिलाफ लड़ाई में कठोर और निर्दयी रवैया अपनाना जरूरी है। केवल सख्त और समन्वित कार्रवाई के जरिए ही इस चुनौती पर विजय हासिल की जा सकती है। नए विजन डॉक्यूमेंट में क्या खास?- %नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029% में नशीले पदार्थों की मांग कम करने, तस्करी की सप्लाई चेन तोड़ने और नशे के शिकार लोगों के पुनर्वास पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके साथ ही यह दस्तावेज आने वाले वर्षों में ड्रग्स के खिलाफ राष्ट्रीय रणनीति का आधार बनेगा।विजन डॉक्यूमेंट में नई चुनौतियों से निपटने की रणनीति भी शामिल की गई है। इनमें सिंथेटिक ड्रग्स का बढ़ता इस्तेमाल और डार्कनेट के जरिए हो रही ड्रग तस्करी प्रमुख हैं। इसके अलावा, नशे से प्रभावित लोगों के लिए जागरूकता अभियान, इलाज की सुविधाएं और पुनर्वास सेवाओं को मजबूत करने के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार किया गया है।

छह हजार करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ क्यों नष्ट किए? गृह मंत्री ने इस दौरान %ऑनलाइन ड्रग डिस्पोजल फोर्टनाइट कैंपेन% की भी शुरुआत की। इस अभियान के तहत देशभर में जब्त किए गए लगभग 2,09,500 किलोग्राम नशीले पदार्थों को कानूनी प्रक्रिया के तहत नष्ट किया। इन नशीले पदार्थों की अनुमानित कीमत करीब 6,000 करोड़ रुपये बताई गई है। सरकार का मानना है कि यह अभियान ड्रग तस्करी के नेटवर्क को कमजोर करने में अहम भूमिका निभाएगा।

संपादकीय Editorial

The Economic Potential of the Forest

A survey of Himachal's vast forest has revealed its economic potential. A joint survey conducted by the Indian School of Business and the Forest Department estimated the potential economic prosperity the forest could generate. A roughly estimated wealth of ?22,600 crore (approximately $22,600 crore) has been estimated. This isn't the first time forests have been evaluated; definitions have been developed, prices and values ??have been set, but no established practices have been established. Every year, with the arrival of the phalsa trees sold in Mandi, we remember what the forest can offer us. The sale of lungdu (lungadu) brings the fragrance of the forest's cool soil, or a sip of sherbet or a spoonful of chutney in the redness of the bran tree creates a market for itself. Whether it's the pine nuts of Kinnaur and the Pangi Valley or the secretly grown bunches of guacamole, their value is discussed worldwide. In reality, the forests have not been understood, nor has any initiative been made to cultivate them for economic purposes. We have always considered pine trees to be the only forest and the income generated around them, whereas forests have many geographies, many economics, and many exploits. Considering the potential of Kullu and Lahaul-Spiti valleys, all Ayurveda is dedicated to the herbs here. If we consider the productivity of forest-declared lands in Chamba and other tribal areas, we can access precious produce ranging from seabuckthorn to saffron. Pastures once existed near human settlements, but now pine leaves are turning into fire pits. It goes without saying that if animals and wildlife develop food baskets within the forest, products like milk, meat, and fish will become permanent friends with the forest. We believe that forests and forest land in Himachal should be reorganized.

The Forest Department's legal definition of forests destroys thousands of possibilities in the mere traces of a single tree. Had the Forest Department and the Indian School of Business been included alongside the Forestry and Agricultural Universities, the future arguments for forest farming would have been stronger. If the Forest Department sheltered wild animals like monkeys, pigs, and Nilgai, it would be a boon for the rural economy.

We have cultivated forests where many options for human development could have arisen. For example, if green tea production were included under forest cover in Kangra, it would have been a valuable offering from Himachal in the national and international markets. Similarly, a variety of plants, shrubs, and flowers can be grown in forests according to the climate. Forest-based economies are expanding internationally. Countries like China are generating a business worth fifteen thousand crores from herbal products alone, and Himachal also has this potential. Rapid studies and research on the plant called Cannabis (Hibiscus cannabinus) have found that its cultivation could now provide a significant boost to forests. It is being used as a wood substitute like jute, in furniture and some very expensive products. This plant will meet the future demand as a highly profitable and useful cash crop for agriculture based economy and ecology. It can be used in car dashboards, door panels, insulation material, animal feed and its seeds can be used in food and medicinal products due to its high nutritional value up to 22 percent. Ajay Singh Thakur, an immigrant Himachali from Dehra, has done a lot of research on it.

According to him, its forest cultivation in Himachal can reach millions of dollars.

Warming Waves in the Pacific Ocean and the Threat Looming over the Himalayas

The opposite of El Niño is called La Niña. In this phenomenon, Pacific Ocean surface temperatures drop below normal and trade winds become stronger. As a result, warm water accumulates more in the western Pacific, increasing the likelihood of rainfall in India, Southeast Asia, and Australia. Sometimes, changes in Earth's climate system impact countries and regions thousands of kilometers away. One such change in sea surface temperatures in the Pacific Ocean off the coast of South America is El Niño. Currently, scientists from the world's leading meteorological and climate institutions are closely monitoring the Pacific Ocean. Latest estimates indicate that Earth is once again entering an El Niño state, and it is likely to become more intense in the latter half of the year. If this occurs, it could be one of the most significant El Niño events since 1950. Its impact will not be limited to the ocean, but could also have far-reaching effects on India's monsoon, agriculture, water resources, and Himalayan ecology. What is El Niño and how does it alter weather patterns? Under normal circumstances, trade winds blowing from east to west over the equatorial Pacific Ocean push warm ocean water toward Asia and Australia. This results in increased rainfall in the western Pacific and relatively cooler water upwelling near the eastern Pacific coasts. However, when these winds weaken, warm water begins to spread into the eastern and central Pacific. Sea surface temperatures become higher than normal, a condition known as El Niño. This change in ocean temperature is not merely a local phenomenon. It alters atmospheric circulation, shifts cloud and rainfall areas, and causes droughts, floods, heat waves, and changes in the pattern of storms in many parts of the world. This is why El Niño is considered one of the Earth's most influential natural climate events. The other side of El Niño is La Niña. The opposite of El Niño is called La Niña. In this condition, the surface temperature of the Pacific Ocean drops below normal and the trade winds become stronger. As a result, warm water accumulates more in the western Pacific, increasing the likelihood of rainfall in India, Southeast Asia, and Australia. La Niña is generally considered favorable for India because it provides additional energy and moisture to the southwest monsoon. La Niña played a significant role in the relatively good monsoons the country has experienced in recent years. However, extremely strong La Niña can sometimes exacerbate problems like floods and landslides. Why is India's monsoon under special scrutiny? Nearly half of India's agriculture depends on rainfall. The livelihoods of millions of farmers, the filling of reservoirs, drinking water supply, and power generation are all linked to the monsoon. Therefore, whenever the possibility of El Niño arises, concern increases in the country. History shows that many major droughts in India have been linked to El Niño. However, it is also true that not every El Niño brings a weak monsoon, and not every weak monsoon is solely responsible for it. Indian Ocean conditions, Arabian Sea temperatures, Himalayan snow, and many other factors also influence the monsoon. Nevertheless, the likelihood of a weakened monsoon during a strong El Niño is higher than normal. Experts believe that if the current El Niño becomes extremely powerful, rainfall distribution could become uneven. Some areas could see less than normal rainfall, while others could experience sudden excessive rainfall. This could impact both agricultural planning and water management. The most direct impact of El Niño is on temperature. When a large area of ??the Pacific Ocean becomes warmer than normal, its excess heat reaches the atmosphere, increasing the global average temperature. Scientists believe that if a strong El Niño develops, new heat records could be set in many parts of the world. India could also experience prolonged and intense heat waves. Temperatures in the plains are likely to be higher than normal. This will increase health risks, increase electricity demand, and put additional pressure on water sources. Livestock and crops in rural areas may also be affected. Why is the Himalayas of particular concern? The impact of El Niño is particularly significant for Himalayan states like Uttarakhand, Himachal Pradesh, Sikkim, and Arunachal Pradesh. Weather in mountainous regions is already rapidly changing. Climate change is causing glaciers to shrink, glacial lakes to expand, and landslides to occur. During El Niño, rainfall patterns in the Himalayan region may become more erratic. Total rainfall may be less than normal, but when it does occur, it may be excessive in a short period of time. Such conditions can lead to disasters such as cloudbursts, flash floods, and landslides. The recent disasters in Kedarnath, Rishiganga, Chamoli, and various valleys in Uttarakhand have made it clear that mountainous regions are highly vulnerable. We have already seen this. If El Niño causes an increase in extreme weather events, the risk could increase further. Furthermore, rising temperatures in the high Himalayas could impact the rate of glacier melt, increasing the risk of glacial lakes expanding and bursting. Scientists have already warned about the vulnerability of the Himalayas, calling them the "third pole of the world." The dangerous combination of climate change and El Niño: According to scientists, El Niño itself is not a new phenomenon. It has been part of the Earth's natural climate system for thousands of years. However, the current concern is that the Earth is now much warmer than before. Greenhouse gases emitted by human activities since the Industrial Revolution have significantly increased global temperatures. In such a situation, when a natural warming event like El Niño is activated, its effects can be even more severe. This is why, in recent years, the world has experienced record heatwaves, wildfires, rising ocean temperatures, and extreme weather events. Vigilance and preparedness are needed - Given the potential impacts of El Niño, India needs to further strengthen its water management, agricultural planning, disaster preparedness, and weather forecasting systems. Providing timely weather information to farmers, promoting water conservation, and increasing monitoring of vulnerable locations in the Himalayan regions are the need of the hour. Heat waves in the Pacific Ocean may be thousands of kilometers away from India, but their impact can reach the country's farmlands, rivers, mountains, and cities. Therefore, El Niño is not just an oceanic phenomenon, but a global climate challenge that reminds us how deeply interconnected Earth's natural systems are. In the coming months, scientists will be closely monitoring the Pacific Ocean, as changes there could shape the climate and future of the entire world, including India.

Train seats, anger, and death: Why have we become so impatient?

Even before the train reaches the platform, passengers gather at the doors. Those inside are busy securing their seats, while those standing outside are desperately trying to get inside. In such an environment, tension is bound to arise. The news of the beating to death of security guard Pankaj Dhama at Delhi's Shahdara railway station, following a dispute over boarding the general compartment of the Yoga Express, is not merely a criminal incident; it is a reflection of a society that is rapidly progressing, yet is becoming increasingly restless, impatient, and aggressive. The question isn't why a person was murdered. The real question is: how can a seat, a push, or a minor altercation lead to someone's death? In India, railways are not just a means of transportation. They are a part of the everyday lives of millions of people. Millions of people travel by train every day for work, education, business, and family-related purposes. However, the situation in general compartments is often such that the journey itself is not about travel, but about space. Even before the train reaches the platform, passengers gather at the doors.

Those inside are busy securing their seats, while those standing outside are desperately trying to get inside. In such an environment, tensions are bound to arise. However, crowds are not the only cause of violence. Crowds have existed for decades. In the past, trains used to be jostling, and arguments over seats would arise. Most disputes would subside after a while. Today, the situation has changed. People's anger is more pent-up than ever before. Inflation, job worries, family pressures, social competition, and uncertainty about the future have mentally exhausted individuals. In such a situation, even a small incident can turn this pent-up tension into an explosion. Psychologists say that a person constantly under stress begins to take even minor inconveniences as personal insults, feeling that everyone is trying to usurp their rights. A dispute over a seat on a train becomes no longer just a dispute over a seat, but a battle for respect, authority, and dominance. This is why even ordinary quarrels often turn violent. Another aspect of this problem is mob mentality. When a dispute erupts in a public place, people often choose sides instead of understanding. Some become spectators, some instigate provocations, and others raise their hands without proper information. In a crowd, individuals forget their personal responsibility. They feel they will not be recognized among so many people, and this very thought often leads to mass violence. It is also worth considering that despite the expansion of railways in the country, new trains have been introduced, and stations have been modernized, why does the seat crisis persist? The answer lies in India's vast population and rapidly increasing travel needs. Employment and educational opportunities are concentrated in a few select cities. Millions of people are forced to travel long distances daily or regularly. The rapid growth of passenger numbers often outpaces the availability of amenities. As a result, pressure on general compartments is constantly increasing. At the government level, solutions to this problem should not be limited to running new trains. More general coaches should be added to busy routes, additional services for unreserved passengers should be introduced, and security at sensitive stations should be strengthened. The effective presence of the Railway Protection Force and the General Police Force (GRP) can prevent many disputes at the initial stage. The message of swift and strict action in cases of violence should also reach the society. However, the government alone cannot do everything. This problem is also linked to the behavior of society. We must acknowledge that we are gradually losing the culture of dialogue. There is a growing tendency to consider disagreement as hostility and debate as war. Values ??like patience, tolerance, and respect for the rights of others are weakening in public life. Schools, families, and social institutions should not only teach lessons about success, but also teach restraint, tolerance, and emotional control. Society becomes stronger when its citizens learn to control their anger. The law can punish crime, but only society can instill the values ??that prevent crime from occurring. Pankaj Dhama's death forces us to ask an uncomfortable question: Are we facing a lack of patience more than a lack of facilities? If a dispute over a seat can claim someone's life, then the problem isn't just with the railways, but also with our social behavior. Development won't be measured solely by new rail lines, stations, and trains. Its true test will be whether two strangers standing in a crowd raise their hands against each other in a dispute or choose dialogue. A civilized society is defined not by its speed, but by its restraint. Perhaps today we need to rediscover that restraint.

अंतर्मंडलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता: सदगति नाटक के साथ मुरादाबाद मंडल रहा प्रथम

मुरादाबाद मंडल ने अंतर्मंडलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में सदगति नाटक के साथ प्रथम पुरस्कार जीता।अंतर्मंडलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता के अंतर्गत नाटक प्रतियोगिता का भव्य आयोजन लखनऊ मंडल के आर.डी.एस.ओ. (RDSO) प्रेक्षागृह में किया गया। इस प्रतियोगिता में रेलवे के विभिन्न मंडलों से आईं 10 टीमों ने प्रतिभाग किया और सभी टीमों ने अपने-अपने नाटकों की सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति दी। इस नाट्य प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल (ज्यूरी) में रूपाली चंद्रा, अंशुल टंडन और गोपाल सिन्हा शामिल रहे। मुरादाबाद को मिला प्रथम पुरस्कार- कड़े मुकाबले के बीच प्रतियोगिता में राकेश बलोदी द्वारा निर्देशित मुंशी प्रेमचंद की चर्चित कहानी पर आधारित नाटक सदगति को प्रथम, लखनऊ मंडल को द्वितीय और जगाधरी मंडल को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं, मुरादाबाद मंडल की कुमारी महक मेहरा को उनके शानदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से नवाजा गया।मुख्य अतिथियों ने किया सम्मानित- इस अवसर पर मुख्य अतिथि महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार पांडेय और विशिष्ट अतिथि श्री सुजीत कुमार मिश्रा (प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी) ने विजेता कलाकारों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की।सदगति नाटक ने मोहा सबका मन- मुरादाबाद मंडल की विजेता टीम के इस नाटक में ओम प्रकाश, यतीन्द्र त्रिवेदी, महक मेहरा, रीतिका, राकेश बलोदी, रोहित सैनी, अंकित, ललित सैनी और सत्येंद्र कुमार ने अपने सशक्त अभिनय से प्रेक्षागृह में मौजूद सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

जौहर यूनिवर्सिटी पर बड़ा एक्शन, मस्जिद और आजम खान का 'फैमिली' ट्रस्ट बने रजिस्ट्रेशन कैंसिल होने का आधार

आयकर विभाग ने मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट का चैरिटेबल पंजीकरण रद्द कर दिया है। यह कार्रवाई वित्तीय अनियमितताओं, अवैध मस्जिद निर्माण और आजम खान के फैमिली ट्रस्ट नियंत्रण के कारण हुई है।ट्रस्ट का चैरिटेबल पंजीकरण आयकर विभाग ने रद्द किया। वित्तीय अनियमितताएं, अवैध मस्जिद निर्माण मुख्य कारण बने। आजम खान के परिवार का ट्रस्ट पर पूर्ण नियंत्रण था।मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट का चैरिटेबल पंजीकरण निरस्त करने के पीछे आयकर विभाग (लखनऊ) ने केवल वित्तीय अनियमितताओं को ही आधार नहीं बनाया है। विभाग ने विश्वविद्यालय परिसर में अवैध मस्जिद निर्माण, भूमि आवंटन की शर्तों के उल्लंघन और ट्रस्ट पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां व उनके परिवार के पूर्ण नियंत्रण को फैमिली ट्रस्ट की संज्ञा देते हुए इसे गंभीर आपत्ति माना है। आयकर विभाग ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के निर्णय, प्रशासनिक जांच रिपोर्टों और ट्रस्ट की संरचना का हवाला देते हुए इसे चैरिटेबल संस्था के मूल उद्देश्यों का खुला उल्लंघन माना है। यह कार्रवाई साल 2023 में हुई छापेमारी के दौरान मिले साक्ष्यों और ट्रस्ट की ओर से कोई संतोषजनक जवाब न मिलने के बाद की गई है। प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (केंद्रीय), लखनऊ गौरव बाथम द्वारा जारी 147 पेज के आदेश में ट्रस्ट द्वारा दिखाए गए करोड़ों रुपये के चंदे को संदिग्ध माना गया है।46 करोड़ खर्च होने का किया था दावा- जौहर ट्रस्ट ने यूनिवर्सिटी निर्माण में करीब ?46 करोड़ खर्च होने का दावा किया था, जबकि केंद्रीय लोक निर्माण विभाग ने इसका मूल्यांकन ?494 करोड़ आंका था। लागत के इस भारी अंतर को विभाग ने वित्तीय गड़बड़ी का बड़ा साक्ष्य माना है। विश्वविद्यालय परिसर में अवैध मस्जिद निर्माण को लेकर विभाग ने वर्ष 2021 के इलाहाबाद हाई कोर्ट के निर्णय, एसडीएम की जांच रिपोर्ट और राज्य सरकार के निष्कर्षों का हवाला दिया है।आदेश के मुताबिक, वर्ष 2005 में शैक्षणिक एवं चैरिटेबल उद्देश्यों के लिए भूमि खरीदने की अनुमति दी गई थी, लेकिन शर्तों के विपरीत परिसर में मस्जिद बना दी गई। चौंकाने वाली बात यह है कि किसी भी अन्य ट्रस्टी ने इस मस्जिद निर्माण की जानकारी होने से ही साफ इन्कार कर दिया, जिसे विभाग ने नामुमकिन माना है। आयकर विभाग ने ट्रस्ट की संरचना पर भी कड़ा रुख अपनाया है। वर्ष 2010 के नवीनीकरण दस्तावेजों के अनुसार, आजम खां इस ट्रस्ट के आजीवन अध्यक्ष हैं और उनके परिवार के सदस्य आजीवन संरक्षक हैं। कुल नौ ट्रस्टियों में से पांच सदस्य अकेले आजम खां के परिवार से हैं। बाकी गैर-पारिवारिक सदस्यों के बयानों के आधार पर विभाग ने उन्हें डमी ट्रस्टी (नाममात्र के सदस्य) माना। इसी एकाधिकार के कारण विभाग ने टिप्पणियों में इसे चैरिटेबल ट्रस्ट की जगह 'फैमिली ट्रस्ट' कहा है। पंजीकरण रद होने के बाद अब ट्रस्ट आयकर में छूट नहीं ले सकेगा। हालांकि, ट्रस्ट के पास आदेश के विरोध में अभी इन्कम टैक्स अपीलेंट ट्रिब्यूनल (आइटीएटी) में जाने का मौका है। जौहर ट्रस्ट को 100 रुपये सालाना लीज पर मिला था 10 करोड़ से बना शोध संस्थान = सपा सरकार में मौलाना मोहम्मद अली जौहर शोध संस्थान मात्र 100 रुपये की लीज पर 33 वर्षों के लिए आजम खां के निजी जौहर अली ट्रस्ट को दे दिया गया था। इसकी लीज 33-33 वर्षों के लिए दो बार बढ़ाने के भी प्रविधान किए गए थे।

मुफ्त IAS-IPS और स्पष्ट की कोचिंग! फिर भी 2 साल में सिर्फ 4 छात्र क्यों हुए सफल? जानें यूपी की इस योजना का सच

मुरादाबाद में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत मुफ्त कोचिंग के बावजूद, 2024-25 में 132 छात्रों में से केवल चार ही सफल हो पाए। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को सिविल सेवा और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराती है।84 युवा सिविल सेवा और 65 वन-डे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए छात्रों ने कराया पंजीकरणप्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए संचालित मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना जिले के युवाओं को निस्शुल्क कोचिंग उपलब्ध करा रही है। वर्तमान में हिंदू कालेज में अभ्युदय कोचिंग केंद्र पर 149 अभ्यर्थियों ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पंजीकरण कराया हैं। इनमें 84 अभ्यर्थी संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) तथा अन्य सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी के लिए। जबकि 65 छात्र-छात्राएं एसएससी, बैंकिंग, रेलवे, पुलिस और अन्य वन-डे प्रतियोगी परीक्षाओं के बैच में अध्ययन करेंगे। पर जिले में इसके परिणाम अपेक्षानुरूप दिखाई नहीं दे रहे हैं। वर्ष 2024 और 2025 के दौरान अभ्युदय कोचिंग से जुड़े मात्र चार अभ्यर्थियों को ही उल्लेखनीय सफलता मिली है। इनमें दो अभ्यर्थियों का चयन उपनिरीक्षक पद पर हुआ, एक अभ्यर्थी ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण की, जबकि एक छात्र ने नीट परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। वर्ष 2025 से 2026 में किसी भी छात्र का चयन नहीं हुआ।प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण और निशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराना है ताकि वे महंगी कोचिंग संस्थाओं पर निर्भर न रहें। कोचिंग केंद्रों पर विषय विशेषज्ञों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा शिक्षकों द्वारा नियमित कक्षाएं संचालित की जाती हैं। इसके साथ ही अभ्यर्थियों को अध्ययन सामग्री, मार्गदर्शन और करियर परामर्श भी उपलब्ध कराया जाता है। अभ्युदय योजना में इन विषयों की होती तैयारी अभ्युदय योजना के अंतर्गत सिविल सेवा, जेईई, नीट, एनडीए, सीडीएस, एसएससी, बैंकिंग, पुलिस भर्ती तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है।अभ्युदय योजना में ऐसे करें आवेदन -अभ्यर्थी को उत्तर प्रदेश का निवासी होना चाहिए। आवेदन पूरी तरह निशुल्क है। अभ्यर्थी को आधिकारिक अभ्युदय पोर्टल पर पंजीकरण करना होता है। नाम, मोबाइल नंबर, ई-मेल और शैक्षिक विवरण दर्ज करने होते हैं। इच्छित परीक्षा श्रेणी का चयन करना होता है। पंजीकरण के बाद संबंधित जिले के कोचिंग केंद्र में प्रवेश दिया जाता है। यह पढ़ाते हैं अभ्यर्थियों को प्रशासनिक अधिकारी विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ अधिकारी महाविद्यालयों के प्राध्यापक विषय विशेषज्ञ चयनित अतिथि फैकल्टी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल अभ्यर्थी समय-समय पर मार्गदर्शन देते हैं। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और प्रतिभाशाली युवाओं को निशुल्क कोचिंग कराई जा रही है। हमारी ओर से नियमित कक्षाएं, टेस्ट, अध्ययन सामग्री और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। आने वाले समय में अधिक अभ्यर्थियों के चयन का लक्ष्य है। - पुष्पांक, कोर्स कोआर्डिनेटर, मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग केंद्र।

28 से शुरू होगा पल्स पोलियो अभियान, 3.74 लाख बच्चे पिएंगे दवा

जिले में 28 जून से पल्स पोलियो अभियान चलेगा और 3.74 लाख जन्म से लेकर 5 वर्ष तक आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। अभियान की तैयारियों एवं विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा दस्तक अभियान के क्रियान्वयन को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में बैठक हुई।मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा सिंह ने कहा कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का संचालन 1 जुलाई से 31 जुलाई तक जबकि, दस्तक अभियान का संचालन 11 जुलाई से 31 जुलाई तक होगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि अभियान के दौरान नाले-नालियों की नियमित सफाई कराई जाएगी,

लार्वारोधी रसायनों का छिड़काव किया जाएगा तथा लोगों को उथले हैंडपंपों का पानी न पीने के प्रति जागरूक किया जाएगा।

विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को संचारी रोगों की रोकथाम एवं बचाव के उपायों की जानकारी दी जाएगी। जिले में पल्स पोलियो अभियान का संचालन 28 जून से 6 जुलाई तक किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत 28 जून को बूथ दिवस आयोजित होगा, जबकि 29 जून से 6 जुलाई तक स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो वैक्सीन की खुराक पिलाएंगी। अभियान के तहत जनपद में कुल 3,74,420 बच्चों को पोलियो वैक्सीन पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. केके चहल ने बताया कि अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बच्चा पोलियो की वैक्सीन पीने से वंचित न रहे।

कैंटर की टक्कर से नैनीताल हाईवे पर पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली, चालकों सहित 11 घायल

बिलासपुर क्षेत्र के गांव रामनगर में बाइपास पर कैंटर चालक को झपकी आने पर आगे चल रही ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी। जिससे ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में दोनों वाहनों के चालक समेत 11 लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए सीएचसी पर भर्ती कराया गया। यह हादसा शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे नैनीताल हाईवे पर गांव रामनगर के पास बाइपास पर हुआ।

अमरोहा जिले के गांव जयतौली निवासी व कैंटर चालक जितेंद्र ने बताया कि वह दिल्ली से फ्रूट लेकर रुद्रपुर उत्तराखंड की मंडी में उतारने जा रहे थे। अचानक

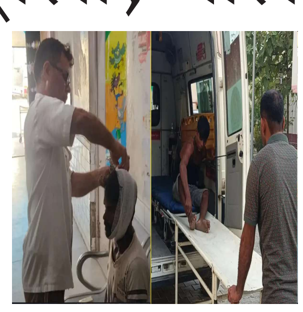

झपकी आने के कारण उनका कैंटर आगे जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गया। जिससे अनियंत्रित होकर ट्रॉली पलट गई।दुर्घटना के बाद मौके पर आस-पास के लोगों समेत राहगीरों की भारी भीड़ एकत्र हो गई। बाद में घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया।घायलों में कैंटर चालक जितेंद्र, पीलीभीत जिले के शिवनगर गांव निवासी ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक राजेश कुमार, मजदूर सुंदरलाल, सुखविंदर, नंदू, विपिन कुमार, राम अवतार, चेतराम, रामचरन, अमित, खेमकरन शामिल हैं। बताया जाता कि ट्रॉली में सवार मजदूर खौंदलपुर गांव निवासी जसपाल सिंह के खेत में धान लगाने जा रहे थे। इसी दौरान अचानक पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कैंटर ने उनकी ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे यह हादसा हो गया। मजदूरों के अनुसार अचानक पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कैंटर ने उनकी ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रॉली सड़क पर पलट गई और चालक सहित सभी मजदूर सड़क पर गिरकर घायल हो गए। चिकित्साधिकारी डॉ. तारिक इमरान ने जानकारी दी कि सभी घायलों को खुली और गुम चोटें लगी हैं, जिनका उपचार किया गया है। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायल ट्रैक्टर चालक राजेश, कैंटर चालक जितेंद्र और मजदूर अमित को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। प्रभारी निरीक्षक जीत सिंह ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है। हादसे की अभी कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद आएंगे सीएम योगी और राजनाथ सिंह, वार मेमोरियल की तैयारियां परखने पहुंचे मेजर जनरल

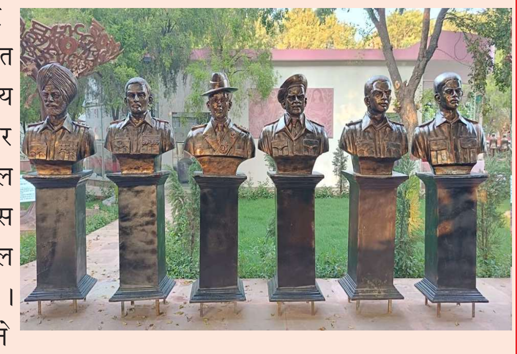

मुरादाबाद के बुद्धि विहार स्थित त्रिशूल भारतीय रक्षा संग्रहालय के प्रस्तावित लोकार्पण की तैयारियों का जायजा लेने सेना के उत्तर भारत मुख्यालय से मेजर जनरल आईएस गिल पहुंचे। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा की। निगम प्रशासन के अनुसार, संग्रहालय का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हाथों अगले सप्ताह कराए जाने की तैयारी है।मुरादाबाद के बुद्धि विहार स्थित त्रिशूल भारतीय रक्षा संग्रहालय के लोकार्पण की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सेना के उत्तर भारत मुख्यालय से मेजर जनरल आईएस गिल मुरादाबाद पहुंचे। उन्होंने नगर निगम द्वारा विकसित किए गए संग्रहालय के प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की।

मुरादाबाद पहुंचने पर नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने सर्किट हाउस में मेजर जनरल गिल का स्वागत किया। नगर आयुक्त ने उन्हें संग्रहालय की अहम जानकारियां, उसमें लगाई गई प्रदर्शनी, राष्ट्रभक्ति और सैन्य गौरव को सहेजने में उसकी भूमिका तथा प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा बताई।नगर आयुक्त ने बताया कि यह संग्रहालय देश की सैन्य परंपराओं, वीरता, शौर्य और बलिदान को आमजन, खासकर युवाओं तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। संग्रहालय में भारतीय सशस्त्र सेनाओं के गौरवशाली इतिहास, सैन्य उपकरणों, युद्ध से जुड़ी जानकारियों और राष्ट्ररक्षा के विभिन्न पहलुओं को आधुनिक व आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है।मेजर जनरल आईएस गिल ने संग्रहालय से जुड़ी प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन किया और लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा करते हुए जरूरी बिंदुओं पर मार्गदर्शन दिया। निगम प्रशासन का कहना है कि वार मेमोरियल का उद्घाटन सीएम योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हाथों किया जाना प्रस्तावित है। उम्मीद है कि अगले सप्ताह इसका लोकार्पण हो जाएगा।

परिषदीय स्कूल खुले, बच्चों का तिलक लगाकर किया स्वागत

रामपुर। गर्मी की छुट्टियों के बाद बृहस्पतिवार को जिले भर के परिषदीय स्कूल खुल गए। स्कूल पहुंचने पर बच्चों का तिलक लगाकर और फूल बरसाकर स्वागत किया गया। हालांकि पहले दिन बच्चों की उपस्थिति कम रही। बृहस्पतिवार सुबह निर्धारित समय पर जिले के 1596 परिषदीय विद्यालय खुल गए। स्कूलों में बच्चों की चहल-पहल लौट आई और उत्साह का माहौल दिखाई दिया। सत्र के पहले दिन विद्यालयों में 50 फीसदी से कम उपस्थिति दर्ज की गई।स्कूलों में पहले दिन समर कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। मिड-डे मील में बच्चों को हलवा वितरित किया गया। कंपोजिट विद्यालय घाटमपुर में शिक्षकों ने बच्चों का स्वागत किया। इस दौरान चिरंजीव कुमार समेत अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।प्राथमिक विद्यालय पट्टी कल्याणपुर एवं अब्बासनगर में भी बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। यहां मिड-डे मील वितरित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक राकेश विश्वकर्मा, सहायक अध्यापक सुमित गंगवार, निदा हुसैन, सविता यादव, राजपाल, सुरभि वर्मा, नीलम रानी, प्रिया सैनी तथा प्राथमिक विद्यालय अब्बासनगर के प्रधानाध्यापक शिवकुमार उपस्थित रहे।बिलासपुर क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में भी पहले दिन बच्चों की उपस्थिति कम रही। बीएसए कल्पना देवी ने बताया कि जिले के सभी 1596 विद्यालय छुट्टियों के बाद खुल गए हैं। एक जुलाई से स्कूल चलो अभियान की शुरुआत होगी।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मोहर्रम पर्व के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक महोदय एवं जिलाधिकारी महोदय द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, ड्यूटी प्वाइंटों का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच /सुमित गुप्ता/ पीलीभीत मोहर्रम पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव एवं जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह द्वारा विभिन्न संवेदनशील स्थलों एवं ड्यूटी प्वाइंटों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति, सतर्कता तथा उपलब्ध संसाधनों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा ड्यूटी पर तैनात समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूर्ण मुस्तैदी, निष्पक्षता एवं सजगता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए। साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहकर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रामक सूचना अथवा असामाजिक गतिविधि पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए

मानकों की अनदेखी पर 7 कोचिंग सेंटर सील 26 संस्थानों की हुई जांच

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । शहर में संचालित कोचिंग संस्थानों, कंप्यूटर सेंटरों और व्यवसायिक भवनों पर प्रशासन का शिकंजा कस गया है। नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में मुख्य अग्निशमन अधिकारी मनू शर्मा, बीडीए के अधिकारियों, अग्निशमन विभाग और अन्य विभागों की संयुक्त टीम ने शहर क्षेत्र में संचालित कोचिंग संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अग्निशमन व्यवस्था, निकास मार्ग, स्वीकृत मानचित्र के अनुसार निर्माण और भवनों के उपयोग की जांच की गई। जांच में कई संस्थान मानकों के अनुरूप संचालित होते नहीं पाए गए।

कार्रवाई करते हुए बरेली विकास प्राधिकरण द्वारा ज्ञान लाइब्रेरी, श्रीनाथ लाइब्रेरी, मीरा लाइब्रेरी, गुरु डिजिटल लाइब्रेरी, आईडीएल क्लासेज एंड लाइब्रेरी, विनटेक लाइब्रेरी और तक्षशिला आईएएस समेत कई कोचिंग संस्थानों को सील कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार शहर में कुल 26 संस्थानों की जांच की गई, जिनमें मिली कमियों को लेकर नोटिस जारी किए जाएंगे।

प्रशासन का साफ कहना है कि छात्रों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अवैध हथियार लेकर घूमना पड़ा भारी, मीरगंज पुलिस ने तमंचा-कारतूस सहित युवक को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मीरगंज पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया।

बताया जा रहा है कि थाना मीरगंज पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी, तभी मुखबिर की सूचना पर हुरहुरी से मीरगंज जाने वाले मार्ग पर स्थित बी.के. लॉन के पास चकरोड से एक संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

पुलिस ने मौके से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान रितेश पुत्र सुनील निवासी मोहल्ला नवादा शेखान, थाना बारादरी, जनपद बरेली, उम्र करीब 20 वर्ष के रूप में हुई है। मामले में थाना मीरगंज पर मु0अ0सं0 313/2026 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक महेश कुमार, उपनिरीक्षक जयप्रकाश सिंह सहित थाना मीरगंज पुलिस टीम शामिल रही।

मटेरा गुरगुज पुरवा में ट्रांसफार्मर बदल जाने पर लोगों में खुशी का माहौल

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरीक सिंह / विद्युत उपकेंद्र मटेरा के गुरुगुजा पुरवा में 63 केवी का ट्रांसफार्मर लगने से विद्युत उपभोक्ताओं में खुशी का माहौल आ गया मटेरा क्षेत्र के गुरुगुज पुरवा गांव में लगभग 5 वर्ष से ग्रामीण लो वोल्टेज की समस्या से जूझ रहे थे लेकिन विगत 3 जून को भारतीय किसान यूनियन किरन गुट के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी पुनीत सिंह जिला अध्यक्ष बाराबंकी सरबजीत सिंह के नेतृत्व में विशाल धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया था इसमें विद्युत विभाग के अधिकारियों ने दो सप्ताह के अंदर 25 केवी ट्रांसफार्मर को बदलकर 63 केवी ट्रांसफॉर्मर रखने का आश्वासन दिया था जिस पर विद्युत विभाग के अवर अभियंता प्रशांत कुमार त्रिपाठी ने भारतीय किसान यूनियन किरन गुटके प्रयास पर अवर अभियंता प्रशांत कुमार त्रिपाठी ने 63 केवी का ट्रांसफार्मर लगवा कर गांव में लो वोल्टेज की समस्या से निजात दिलाने का काम किया है जिस पर ग्रामीण रामावतार मुन्नालाल चौथी राम छोटेलाल किशोरीलाल सहन अन्य ग्रामीणों में खुशी का माहौल है।

स्कूल खुले या मज़ाक! कहीं लटका ताला, तो कहीं कुर्सी पर सोती मिलीं हेडमास्टर, बच्चे रहे नदारद

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरीक सिंह / मटेरा।विकासखंड रिसिया के ग्राम पंचायत चरसंडा माफी में गर्मी की छुट्टी बीतने के बाद आज प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को खोलने का आदेश था लेकिन सत्र के पहले दिन क्षेत्र में विद्यालयों का पड़ताल करने पर उच्च प्राथमिक विद्यालय चरसंडा माफी में ताला लटकता हुआ मिला वहीं इसी गांव के प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यपक खालिदा बेगम सोती हुई मिली और विद्यालय में अन्य सहायक अध्यापक व शिक्षामित्र मौजूद मिले बच्चों की उपस्थिति शून्य रही

मोहर्रम का त्योहार क्षेत्र में हर्षोल्लास और शांति के साथ संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच /शेर सिंह/ भुता। क्षेत्र में मोहर्रम का त्योहार शुक्रवार को पूरी अकीदत और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। कर्बला के शहीदों की याद में विभिन्न गांवों से ताजियों के जुलूस निकाले गए।

हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाए जाने वाले मोहर्रम पर क्षेत्र के गांव फैजनगर, , केसरपुर , डंडिया नवाजीसली, कस्बा भुता,सहित कई गांवों में ताजियों के जुलूस निकाले गए। जुलूस में शामिल लोगों ने मातम मनाते हुए कर्बला के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान रैन स्थलों पर खिलाड़ियों ने पारंपरिक हथियारों के साथ हैरतअंगेज करतब दिखाए। शाम के समय ताजियों को कर्बला ले जाकर सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इसके साथ ही कई स्थानों पर मेले का भी आयोजन किया गया, जहां लोगों की भीड़ रही। मोहर्रम के मद्देनजर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस अधिकारियों ने गांवों में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार संपन्न होने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली।

जेल की दीवार फांदकर भागा कैदी हाईवे पर घिरा, इज्जतनगर पुलिस की गोली मुठभेड़ में हुआ घायल

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। केंद्रीय कारागार इज्जतनगर से फरार हुए आजीवन कारावास की सजा काट रहे 25 हजार रुपये के इनामी सजायाफ्ता बंदी को थाना इज्जतनगर पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कार्रवाई में आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसके कब्जे से अवैध तमंचा 315 बोर, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी दिनेश पुत्र अरविंद निवासी नन्हेड़ा राजपूत थाना डिडौली जनपद अमरोहा, केंद्रीय कारागार बरेली से 22 जून को फरार हो गया था। उसके फरार होने के बाद थाना इज्जतनगर में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें गठित की गई थीं और एसएसपी बरेली द्वारा 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

नैनीताल हाईवे पर घेराबंदी, बदमाश ने पुलिस पर झोंका फायर-26 जून की रात पुलिस को सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति अवैध हथियार लेकर नैनीताल हाईवे की ओर जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। आरोपी रेलवे के खंडहर मकान में छिप गया और पुलिस को देखते ही जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसे घायल अवस्था में दबोच लिया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह जेल की खेती में काम करने के दौरान पानी पीने के बहाने निकला और मौका पाकर दीवार कूदकर फरार हो गया था। फरारी के बाद वह एक परिचित के यहां छिपा हुआ था और तमंचा लेकर अपने घर जाने की फिराक में था। घायल आरोपी को उपचार के लिए जिला अस्पताल बरेली भेजा गया है। पुलिस ने उसके खिलाफ पुलिस टीम पर फायरिंग और अवैध हथियार रखने के मामले में भी मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है बरामदगी- एक अवैध तमंचा 315 बोर एक खोखा कारतूस एक जिंदा कारतूस कार्रवाई करने वाली टीम- थाना इज्जतनगर प्रभारी सहित पुलिस टीम मौजूद रही।

बांकेबिहारी मंदिर के पास बने इन दो भवनों से बड़ा खतरा, तीन दिन का दिया अल्टीमेटम; फिर किए जाएंगे ध्वस्त

बांकेबिहारी मंदिर क्षेत्र में जर्जर और खतरनाक भवनों को लेकर नगर निगम ने सख्ती बढ़ाते हुए दो मकानों को ध्वस्तीकरण के लिए चिह्नित किया है। भवन स्वामियों को मरम्मत के लिए तीन दिन का अंतिम मौका दिया गया है, अन्यथा निगम कार्रवाई करेगा।श्रीबांकेबिहारी मंदिर क्षेत्र में नोटिस के बाद भी भवन स्वामियों द्वारा जर्जर भवनों की मरम्मत न कराए जाने पर नगर निगम ने सख्त रवैया अपनाया है। निगम ने मंदिर क्षेत्र के दो भवनों को चिह्नित कर उनके ध्वस्तीकरण की तैयारी शुरु कर दी है। इससे पहले निगम की टीम ने भवन स्वामियों को चेतावनी दी है। उन्हें मरम्मत के लिए तीन दिन का अल्टीमेटम दिया है।श्रीबांकेबिहारी मंदिर की गली नंबर पांच में सुधीर गोस्वामी के मकान का छज्जा गिरने से हुए हादसे के बाद जागे नगर निगम ने अब तक 235 मकानों जर्जर एवं गिरांसु मकानों को चिह्नित कर उनमें रह रहे लोगों को नोटिस जारी किए हैं। नोटिस के जरिए लोगों उन्हें 15 दिनों में जर्जर और गिरांसू भवनों की मरम्मत या फिर उस भाग को हटाने के निर्देश दिए हैं।15 दिन में यदि भवन स्वामियों ने इस मामले में किसी तरह का सुधार नहीं किया तो नगर निगम द्वारा भवन स्वामियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। नोटिस जारी करने के बाद निगम ने बांकेबिहारी मंदिर में पुन- सर्वे कार्य शुरु कर घर-घर दस्तक देकर ऐसे भवनों को चिह्निनत कर रही है, जिनमें नोटिस के बाद भी सुधार नहीं किया गया। निगम ने सुधीर गोस्वामी के समीप एक भवन चिह्निनत कर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की तैयारी शुरु कर दी है।वहीं बांकेबिहारी बाजार में पुरानी आर्ट गैलरी के समीप एक और भवन को कार्रवाई के लिए चिह्नित किया है। अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक ने बताया कि बांकेबिहारी मंदिर क्षेत्र में दो भवनों के स्वामियों का निगम ने नोटिस देने के बाद पुन- चेतावनी दी है। यदि उन्होंने तीन दिनों में सुधार कार्य नहीं किया गया तो नगर निगम ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

विश्वविद्यालय में 8 को होगी बीएससी एग्रीकल्चर की काउंसिलिंग

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय में बी.एससी. (कृषि) प्रथम वर्ष प्रवेश के लिए काउंसलिंग 8 जुलाई को होगी। कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. उपेन्द्र कुमार ने बताया कि मेरिट सूची एक जुलाई को विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी होगी। मेरिट सूची में चयनित अभ्यर्थियों को 2 जुलाई को काउंसलिंग पत्र ईमेल के माध्यम से भेजा जाएगा। अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के समय अपने सभी मूल शैक्षिक प्रमाण-पत्र, अंकपत्र, प्रमाण-पत्र (यदि लागू हो), उनकी स्वप्रमाणित छायाप्रतियां व प्रवेश के लिए प्रथम वर्ष का निर्धारित शुल्क 40 हजार रुपये साथ उपस्थित होना होगा। प्रवेश शुल्क केवल ऑनलाइन माध्यम से ही विश्वविद्यालय के खाते में दिनांक 08 जुलाई शाम 05-00 बजे तक जमा करना होगा।

नगर निगम ने ठेकेदार पर फिर ठोका 50 हजार का जुर्माना

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नगर निगम के ठेकेदार निर्माण कार्यों से जुड़े मामलों में लगातार की जा रही कार्रवाई के बाद भी बेलगाम हैं। काम में सुधार न करने पर नगर निगम ने एक बार फिर ठेकेदार दुष्यंत कुमार पर 50 हजार का जुर्माना ठोंका है। मामला वार्ड-46 का है, जहां मिनी बाईपास क्षेत्र में आरसीसी नाला निर्माण का कार्य स्वीकृत हुआ था। अधिशासी अभियंता राजीव कुमार राठी ने बताया कि इस प्रोजेक्ट की समय सीमा 10 अगस्त 2026 तय की गई थी, लेकिन निरीक्षण में ठेकेदार की बड़ी लापरवाही सामने आई। 1625 मीटर लंबे प्रस्तावित नाले के मुकाबले अब तक केवल 30 मीटर की खोदाई कर काम छोड़ दिया गया।

निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों को ताक पर रखने और बैरिकेडिंग न करने को बेहद गंभीरता से लिया है। इससे पहले 30 मार्च को भी ठेकेदार को नोटिस थमाया गया था और 50 हजार रुपये का अस्थायी जुर्माना लगाया गया था। एक बार फिर ठेकेदार पर 50 हजार हजार का जुर्माना लगाया गया है। ठेकेदार को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि कार्य को अविलंब पूरा किया जाए, अन्यथा ब्लैक लिस्ट करने जैसी कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

यूपी बोर्ड: कंपार्टमेंट, इंप्रूवमेंट परीक्षा के आवेदन अब 30 जून तक कर सकेंगे

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल परीक्षा के इंप्रूवमेंट/कंपार्टमेंट तथा इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी। अब छात्र परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर 30 जून 2026 की मध्यरात्रि 12-00 बजे तक आवेदन कर सकेंगे। इससे पहले आवेदन की अंतिम तिथि 27 जून थी। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि 26 जून को मोहर्रम का अवकाश और 27 जून 2026 को चतुर्थ शनिवार होने के कारण बैंक बंद रहेंगे। छात्रों को शुल्क जमा करने और आवेदन में कोई असुविधा न हो, इसलिए छात्रहित को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने यह निर्णय लिया है।

मोहर्रम जुलूस में दिखी हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सेंथल कस्बे में मोहर्रम के जुलूस में हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल देखने को मिली। मौर्य समाज के लोगों ने आपसी सौहार्द के फूल बरसाकर जुलूस का स्वागत किया। यह अजादारी इस्लाम को बचाने वाले हजरत इमाम हुसैन और उनके 71 साथियों की शहादत की याद में होती है।

सेंथल में सभी धर्मों के लोग इस अजादारी में शामिल होकर शहादत को याद करते हैं। रविवार को मोहल्ला चौधरी से अलम व डोले का जुलूस उठा।

यह जुलूस मौर्य मंदिर पहुंचा, जहां मौर्य समाज के लोगों ने छतों से फूल बरसाए। सैकड़ों महिलाओं और पुरुषों ने अलम व डोले पर पुष्प चढ़ाए। गेंदलाल मौर्य के घर पर भी जुलूस का स्वागत किया गया। यहां हजरत अब्बास की शहादत का मर्सिया पढ़ा गया।

सेवाराम मौर्य, जसवंत मौर्य, दोदराम मौर्य, सोमपाल मौर्य, लेखराज मौर्य, जगदीश मौर्य, दीपक मौर्य, तेजपाल मौर्य, कड़ेराम मौर्य ने जुलूस का स्वागत किया। राजू रस्तोगी और कांवड़िया दल ने भी सबील लगाकर सौहार्द का संदेश दिया।

9वीं मुहर्रम की शब इमामबाड़ा कुली ख़ाँ से अकीदत के साथ बरामद हुआ या हुसैन की सदाओं से गूंजा माहौल

क्यूँ न लिखूँ सच /सिकंदर राजा / मुरादाबाद। 9वीं मुहर्रम की रात शहर के ऐतिहासिक इमामबाड़ा कुली ख़ाँ में अज़ादारी पूरे एहतराम, अकीदत और ग़मगीन माहौल में आयोजित की गई। बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने मजलिस में शिरकत कर हज़रत इमाम हुसैन (अ.स.) और शोहदाए कर्बला को ख़िराज-ए-अकीदत पेश किया। मजलिस के उपरांत जुल्जनाह का जुलूस परंपरागत अंदाज़ में बरामद हुआ, जिसमें या हुसैन, या सकीना और या अब्बास की सदाओं से पूरा इलाका गूंज उठा।मजलिस को ख़िताब करने के लिए अमरोहा से तशरीफ़ लाए मौलाना सैयद मंज़ूर अली नक़वी ने अपने बयान में कहा कि कर्बला का वाक़िया केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि इंसानियत, सब्र, हक़, इंसाफ़ और ज़ुल्म के ख़िलाफ़ डटकर खड़े होने का हमेशा ज़िंदा रहने वाला पैग़ाम है। उन्होंने कहा कि हज़रत इमाम हुसैन (अ.स.) ने अपने 72 जाननिसार साथियों और अपने अहलेबैत की कुर्बानी देकर इस्लाम की बुनियाद को मज़बूत किया और यह बता दिया कि हक़ की राह में चाहे कितनी ही मुश्किलें क्यों न आएं, कभी समझौता नहीं करना चाहिए।

मौलाना ने हज़रत अली असग़र (अ.स.), हज़रत अब्बास आलमदार (अ.स.), बीबी सकीना (स.अ.) और कर्बला के अन्य शहीदों की दर्दनाक शहादत का ज़िक्र किया तो पूरा इमामबाड़ा ग़म के माहौल में डूब गया। अकीदतमंदों की आंखों से अश्क जारी हो गए और हर तरफ़ या हुसैन, या सकीना, या अब्बास की सदाएं बुलंद होने लगीं। मजलिस के दौरान मौजूद लोग ग़म-ए-हुसैन में गिरिया व ज़ारी करते रहे और माहौल पूरी तरह रंजो-ग़म से भर गया।मजलिस के बाद नौहाख्वानी और सीनाज़नी का सिलसिला शुरू हुआ।

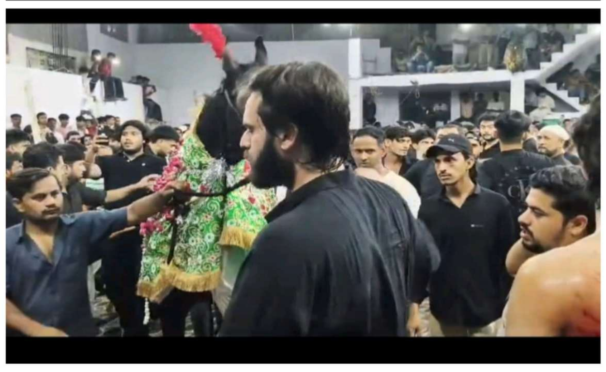

मशहूर नौहाख्वानों ने दर्द भरे नौहे पेश किए, जिन पर अंजुमनों और अज़ादारों ने पुरसा देते हुए सीनाज़नी की। इसके बाद जुल्जनाह पूरे अदब और एहतराम के साथ बरामद हुआ। रास्ते भर अकीदतमंद जुल्जनाह की ज़ियारत करते रहे और जगह-जगह सबीलों व लंगर का भी इंतज़ाम किया गया।

इस अवसर पर मौलाना सज्जाद भी अज़ादारों को ख़िताब करते हुए इमाम हुसैन (अ.स.) की सीरत पर अमल करने और समाज में इंसाफ़, भाईचारे और इंसानियत का पैग़ाम फैलाने की अपील की।कार्यक्रम में इमामबाड़ा कुली ख़ाँ के मुतवल्ली आरिफ़ राजा सहित हाजी रईस हैदर, राजा हैदर, बाबर अली, गुलफ़ाम हुसैन, नईम क़ादरी, गुलज़ार हैदर, इरफ़ान हैदर, जावेद अली, मुराद अली, रफ़ीक़ हुसैन, जफ़र अब्बास, ज़हीर अब्बास, राजा अली, अनीस हैदर, ज़ुल्फ़िकार हैदर, मौलाना सज्जाद, मौलाना अकील, शफ़ीक़ हैदर, गुलाब, शमशेर अली, क़ासिम राजा, अनवर अली, नाज़िम हुसैन सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में इंतज़ार अब्बास और अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।मौलाना सैयद मंज़ूर अली नक़वी (शिया धर्मगुरु, मुरादाबाद कर्बला हमें यह सबक देती है कि हक़ और इंसाफ़ के लिए हर तरह की कुर्बानी दी जा सकती है। इमाम हुसैन (अ.स.) की शहादत पूरी इंसानियत के लिए एक ऐसी मिसाल है, जो हर दौर में ज़ुल्म के ख़िलाफ़ आवाज़ बुलंद करने का हौसला देती रहेगी।

लखनऊ अग्निकांड: 15 मौतों पर टीम ने LD को सौंपी रिपोर्ट, अवैध मिली पूरी बिल्डिंग; आग से बचाव के नहीं थे उपाय

अलीगंज अग्निकांड की जांच रिपोर्ट में भवन को पूरी तरह अवैध बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार मानकों के विपरीत निर्माण, अग्नि सुरक्षा उपायों का अभाव, संकरा प्रवेश मार्ग और आवासीय भवन का व्यावसायिक उपयोग हादसे की प्रमुख वजह अलीगंज अग्निकांड में 15 लोगों की जान के जाने सदस्यीय जांच समिति ने जांच पूरी कर रिपोर्ट एलडीए का न छोड़ा जाना, आने जाने का रास्ता संकरा होने का उपयोग किए जाने को आग लगने के कारणों की दिन अलीगंज सेक्टर डी स्थित एक एनिमेशन सेंटर एलडीए ने प्राथमिक जांच की तो पता चला कि गया था जबकि मौके पर उपयोग कामर्शियल किया जाने का रास्ता एक था और वह भी संकरा था। प्रथमेश कुमार की ओर से एक पांच सदस्यीय जांच रिपोर्ट देनी थी। गठन के अगले ही दिन मंगलवार एलडीए वीसी को सौंप दी है। समिति अपर सचिव केके गौतम, मुख्य अभियंता मानवेंद्र सिंह, अधिशासी विशेष कार्य अधिकारी रवि नंदन सिंह को सदस्य ने बताया कि जांच रिपोर्ट एलडीए वीसी को सौंप पास करने से संबंधित फाइलें थीं उनकी भी पड़ताल सामने- बेसमेंट सहित तीन मंजिला बिल्डिंग के हर को कवर कर निर्माण किया आने जाने एक मात्र

बने। जांच में निगरानी और प्रवर्तन स्तर पर भी लापरवाही सामने आई। के बाद एलडीए की ओर से घटना की जांच को लेकर बनाई गई पांच वीसी को सौंप दी है। इसमें हर तल पर मानक से अधिक निर्माण, सेट बैक के साथ आगे से बचाव के उपाय न होने और भू उपयोग के विपरीत बिल्डिंग प्रमुख वजह माना गया है। आग लगने की घटना सोमवार दोपहर की है। इस की बिल्डिंग में आग लगने से 15 लोगों की जान गई थी। इसके बाद जब बिल्डिंग पूरी तरह अवैध है। एलडीए की ओर आवासीय मानचित्र पास किया जा रहा था। आग से बचाव को लेकर सेट बैक भी नहीं छोड़ा गया था। आने समिति को तीन दिन के अंदर रिपोर्ट देनी थी इसको देखते हुए एलडीए वीसी समिति का गठन उसी दिन किया गया था। समिति को तीन दिन के अंदर को समिति ने मौके पर जाकर जांच की। जिसके बाद रिपोर्ट तैयार कर ज्ञानेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में गठित की गई थी। इसमें मुख्य नगर नियोजक अभियंता विद्युत यांत्रिक मनोज सागर और अलीगंज के संपत्ति अधिकारी व बनाया गया था। अब आगे होगी ये कार्रवाई- अपर सचिव एलडीए ज्ञानेंद्र वर्मा दी गई है। टीम ने जो मौके पर देखा और जो संपत्ति आवंटन और मानचित्र की गई। उसके आधार पर रिपोर्ट तैयार कर दी गई है। जांच में यह तथ्य आए तल पर मानक के अधिक निर्माण किया गया सुरक्षा को दरकिनारकर पूरे प्लॉट रास्ते में ही एसी की आउटर यूनिट और एग्जास्ट फैन लगाए गए थे मानचित्र आवासीय पास कराया गया था और उपयोग व्यावसायिक किया जा रहा था एलडीए के प्रवर्तन विभाग की ओर से अवैध निर्माण की निगरानी में ढिलाई की गई और कार्रवाई नहीं की गई ध्वस्तीकरण आदेश होने के बाद उसे 2016 में वापस लिया गया आदेश वापस लेने के बाद यह नहीं जांच की गई कि मौके पर निर्माण मानचित्र के अनुरूप हो रहा है कि नहीं

प्यार की सजा या पिता की जिद, 20 सेकंड में बेटी का कत्ल; 'थाना मर्डर' केस में खाकी की कहां चूक?

बांदा के बदौसा थाने में पिता द्वारा बेटी शिवानी की चाकू मारकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस की गंभीर लापरवाही सामने आई है। जांच रिपोर्ट के बाद थानाध्यक्ष समेत तीन पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है और मामले की विवेचना दूसरे थाने में जून को जो हुआ, उसने उत्तर प्रदेश पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर स्थान माना जाता है। वहां एक पिता ने अपनी ही बेटी शिवानी की चाकू से मामले में बदौसा थाने के परिसर में पुलिस ने सीन रिक्रिएशन कराया। सीन के पांव छूता और उसके गिड़गिड़ाते हुए मिन्नत करता है कि वह यह रिश्ता शिवानी हाथ जोड़कर पति के साथ रहने की जिद पर अड़ी रहती है। कारण वह उसे थाने के बरामदे में छोड़ कुछ दूरी पर खड़े हो गए। 20 पुलिस दौड़ कर पहुंची। पिता ने बेटी को समझाने का प्रयास किया अतर्रा वर्षीय शिवानी ने पड़ोसी ललित से शादी की थी। जिसे पुलिस 24 दिन समझाने का प्रयास किया, लेकिन शिवानी जिद पर अड़ी रही।चाकू से से पांच वार कर दिए । लहूलुहान शिवानी ने दम तोड़ दिया। मां की तहरीर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। वहीं पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने सात दिन में रिपोर्ट मांगी है। घर के बाहर पुलिस का कड़ा पहरा रहा- तहरीर दी, जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज हुई। घटना के चौथे दिन भी उसका परिवार आरोपी पिता के जेल जाने के बाद भी भय में जी रहा है।

स्थानांतरित कर दी गई है।बांदा जिले के बदौसा थाना परिसर में 10 सवाल खड़े कर दिए हैं। थाना परिसर, जिसे सुरक्षा का सबसे सुरक्षित गोदकर हत्या कर दी।बदौसा थाने में बेटी की चाकू मारकर हत्या के रिक्रिएशन (हूबहू दोबारा) में पिता हत्या करने से पहले अपनी बेटी तोड़ दे।पति के साथ रहने की जिद पर अड़ी रहती है बेटी- इधर, बेटी वारदात होने से पहले यह दृश्य सभी पुलिस वाले देख रहे थे। इस सेकंड के भीतर पिता ने ताबड़तोड़ पांच वार कर दिए। वह चीखी तो सीओ प्रतिज्ञा सिंह ने बताया कि बरहा इंद्रा कॉलोनी निवासी 19 बाद मध्य प्रदेश से थाने लाई थी। थाने में पिता सत्यकुमार ने बेटी को पांच वार कर मारा- न मानने पर हत्यारोपी पिता ने शिवानी पर चाकू पर पिता के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर उसे 14 दिन की इस मामले की विभागीय जांच नगर क्षेत्राधिकारी सौरभ सिंह को सौंप मृतक शिवानी की मां रन्नो ने पिता सत्यकुमार चौहान के खिलाफ प्रेमी ललित के घर के बाहर पुलिस का कड़ा पहरा रहा। ललित और छिपाकर लाए चाकू से किए थे वार- ललित की मां मीरा ने अपने बेटे और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि थाने में बेटी को मारने वाला पिता बाहर आकर उन्हें नहीं बख्शेगा। बीते शुक्रवार को पुलिस ललित और शिवानी को थाने लाई थी। शिवानी के माता-पिता उससे मिलने पहुंचे और समझाने का प्रयास किया। इसी दौरान पिता सत्यकुमार चौहान ने छिपाकर लाए चाकू से शिवानी पर कई वार किए। पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल- इस घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता अवधेश तिवारी ने उत्तर प्रदेश पुलिस विनियम का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार व्यक्ति से मिलने वालों की तलाशी ली जाती है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि कोई प्रतिबंधित वस्तु अंदर न जाए। तिवारी का मानना है कि नियमों का पालन होता तो यह घटना नहीं होती। परिवार भय में, घर छोड़कर दुबका- दिवंगत शिवानी का पति ललित अपने परिवार के साथ इंद्रानगर का घर छोड़ चुका है। वे नई बाजार मुहल्ले के गली वाले घर में दुबक कर रह रहे हैं। वहां दो पुलिसकर्मी भी सुरक्षा के लिए तैनात किए गए हैं। शिवानी की मां रन्नो ने बताया कि बेटी के जाने के बाद पिता आग-बबूला था और शराब पीने लगा था। वह शिवानी को सबक सिखाने की बात करता था और बीते वर्ष कांवड़ यात्रा में मिली चाकू अपने साथ रखता था। थानाध्यक्ष समेत तीन लाइन हाजिर- बदौसा थाना परिसर में 10 जून को अनुसूचित जाति के युवक से शादी करने वाली युवती शिवानी की हत्या के मामले में थानाध्यक्ष, दिवस अधिकारी और महिला आरक्षी को लाइन हाजिर किया गया है। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने यह कार्रवाई सीओ सदर की जांच रिपोर्ट के आधार पर की है। जांच में सामने आई लापरवाही-जांच में पाया गया कि थानाध्यक्ष अजीत प्रताप सिंह, दिवस अधिकारी उपनिरीक्षक सुरेंद्र मिश्रा और महिला आरक्षी राखी ने सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही और ड्यूटी के दौरान अपेक्षित सतर्कता नहीं बरती। इसी वजह से पिता सत्य कुमार सिंह ने चाकू से वारकर शिवानी की हत्या कर दी। सूत्रों के अनुसार रिपोर्ट में युवती की सुरक्षा को लेकर पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जाने का भी जिक्र किया गया है।विवेचना बदौसा से फतेहगंज थाने में हस्तांतरित- बदौसा थाने के परिसर में 19 वर्षीय शिवानी की उसके पिता द्वारा की गई चाकू से वार कर हत्या के मामले की विवेचना अब बदौसा थाने से हटाकर फतेहगंज थाना प्रभारी राजेश वर्मा को सौंपी गई है। यह फैसला पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने थाने में हुई इस गंभीर घटना में पुलिसकर्मियों की लापरवाही को गंभीरता से लिए जाने के बाद उठाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

सहारनपुर में हाईवे पर भीषण हादसा, दो कारों की टक्कर में एक परिवार के चार लोगों की मौत; तीन की हालत गंभीर

सोनीपत निवासी प्रवीण अपने परिवार के साथ कार में सवार होकर हरिद्वार जा रहे थे। देहरादून-पंचकूला हाईवे पर एक कार ने उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी। कार के परखच्चे उड़ गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।थाना रामपुर मनिहारान क्षेत्र में देहरादून-पंचकूला हाईवे पर गांव हलगोया के पास स्कार्पियो कार ने टियागो कार में पीछे से टक्कर मार दी। एक ही परिवार की दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए। परिवार हरिद्वार जा रहा था। हरियाणा में सोनीपत जनपद के मंढोरा निवासी प्रवीण अपने परिवार के साथ टियोगा कार से हरिद्वार जा रहे थे। उनकी गाड़ी थाना रामपुर मनिहारान क्षेत्र में देहरादून-पंचकूला हाईवे पर पहुंची, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक स्कार्पियो ने टियागो कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और 108 एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने प्रवीण (40), प्रीति (37), सुदेश (71) और शिवांश (9) को मृत घोषित कर दिया। जबकि जयदेव, प्रीति और भूमि घायल हैं। उनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। सूचना मिलते ही रामपुर मनिहारान थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। डीएम अरविंद कुमार चौहान और एसएसपी अभिनंदन सिंह ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना।

बिल्डर-उद्योगों पर गिरेगी गाज? नोएडा-ग्रेनो में अवैध भूजल दोहन पर हृत्रङ्ग सख्त, भूजल विभाग को कार्रवाई के निर्देश

एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद की पीठ पर्यावरण संरक्षण कार्यकर्ता विक्रांत तोंगड़ की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा के कई क्षेत्रों में निजी बिल्डर, उद्योग और अन्य लोग अवैध रूप से भूजल का दोहन कर रहे हैं।नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कथित अवैध भूजल दोहन के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने उत्तर प्रदेश भूजल विभाग को शिकायत की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। अधिकरण ने कहा है कि यदि जांच में अवैध रूप से संचालित ट्यूबवेल या बोरवेल पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ कानूनी प्रावधानों के तहत दंडात्मक और सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। बिल्डर, उद्योग और अन्य लोग कर रहे भूजल का दोहन - एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद की पीठ पर्यावरण संरक्षण कार्यकर्ता विक्रांत तोंगड़ की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा के कई क्षेत्रों में निजी बिल्डर, उद्योग और अन्य लोग अवैध रूप से भूजल का दोहन कर रहे हैं।

विशेष रूप से नोएडा के सेक्टर-145 और 153 तथा ग्रेटर नोएडा के टेक जोन स्थित सेक्टर-94 और 150 का उल्लेख किया गया था।लगातार भेजी जा रहीं शिकायत पर नहीं हो रही कार्रवाई- याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आकाश वशिष्ठ ने अधिकरण को बताया कि अवैध भूजल दोहन रोकने के लिए लगातार केंद्रीय भूजल प्राधिकरण (CGWA) और अन्य संबंधित अधिकारियों को शिकायतें भेजी गईं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।एनजीटी ने क्या कहा- सुनवाई के दौरान एनजीटी ने कहा कि सबसे पहले इस मामले में सक्षम प्राधिकारी, यानी उत्तर प्रदेश भूजल विभाग के समक्ष विस्तृत शिकायत और संबंधित साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। अधिकरण ने याचिकाकर्ता को ऐसा करने की अनुमति देते हुए मूल याचिका का निस्तारण कर दिया।

प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन कर हो कार्रवाई- एनजीटी ने निर्देश दिया कि शिकायत मिलने के बाद उत्तर प्रदेश भूजल विभाग मामले की विधिसम्मत जांच कराए, मौके पर सत्यापन करे और यदि कोई ट्यूबवेल या बोरवेल अवैध रूप से संचालित पाया जाता है तो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करते हुए उचित कार्रवाई करे।

तीन महीने में पूरी हो प्रक्रिया- अधिकरण ने यह पूरी प्रक्रिया तीन महीने के भीतर पूरी करने को कहा है। माना जा रहा है कि इस आदेश के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा में अवैध भूजल दोहन के मामलों पर प्रशासनिक निगरानी और सख्ती बढ़ सकती है।

इगलास में युवक की संदिग्ध मौत, पंखे पर लटका मिला शव, पिता ने पड़ोसी पर लगाया हत्या का आरोप

संजीव की शादी 12 साल पहले हुई थी और उसके दो छोटे बच्चे हैं। इस घटना से हंसते-खेलते परिवार में मातम छा गया है। मृतक के पिता श्याम सिंह ने इसे आत्महत्या मानने से साफ इन्कार कर दिया है।एक बंद कमरे में 32 वर्षीय युवक का शव पंखे से लटका मिला है। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। मृतक के पिता ने पड़ोस के एक युवक पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। 26 जून सुबह संजीव नाम के 32 वर्षीय युवक का शव उसके घर के एक बंद कमरे में पंखे पर लटका पाया गया। चीख-पुकार सुनकर तुरंत 112 डायल पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची इगलास पुलिस ने कमरे का दरवाजा खोला और शव को नीचे उतारा। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। संजीव की शादी 12 साल पहले हुई थी और उसके दो छोटे बच्चे हैं। इस घटना से हंसते-खेलते परिवार में मातम छा गया है। मृतक के पिता श्याम सिंह ने इसे आत्महत्या मानने से साफ इन्कार कर दिया है। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। यह घटना इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।हत्या का आरोप- पिता श्याम सिंह का आरोप है कि बीते कल उनके बेटे संजीव का पड़ोस के रामू नाम के युवक से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इस विवाद के बाद आज सुबह संजीव का शव फंदे पर लटका मिला। पिता ने सीधे तौर पर रामू के खिलाफ हत्या की आशंका जताई है। उन्होंने पुलिस से रामू के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। परिजनों का कहना है कि संजीव आत्महत्या नहीं कर सकता।पुलिस की कार्रवाई- कोतवाल डी.के. सिसोदिया ने बताया कि युवक का शव बंद कमरे में पंखे से लटका मिला था। पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा मानक एंव पार्किंग व्यवस्था के बगैर किये गये दो अवैध निर्माण को उरई विकास प्राधिकरण ने मौके पर किया सील

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार।/ सचिव, उरई विकास प्राधिकरण के नेतृत्व में प्राधिकरण प्रवर्तन टीम ने कालपी रोड पर एच0डी0एफ0सी0 बैक के सामने विनोद कुमार एवं दिलीप सोनी द्वारा संचालित इंटेलीजेन्ट भारत कोचिंग सेन्टर के भवन को उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 28() के अन्तर्गत सील कर दिया गया। इसके अतिरिक्त मेडिकल कालेज के पास बिना सुरक्षा मानकों एवं बिना पार्किंग व्यवस्था के शबाब हुसैन द्वारा किये जा रहे अवैध निर्माण को मौके पर सील कर दिया गया, उरई विकास प्राधिकरण द्वारा उक्त निर्माणों के विरुद्ध उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 27 के अंतर्गत नोटिस जारी किया गया था।निर्माणकर्ता द्वारा कोई शमन मानचित्र दाखिल नहीं किया गया। प्राधिकरण प्रवर्तन टीम द्वारा उक्त अवैध निर्माण सील करते हुए पुलिस अभिरक्षा में दे दिया गया है। कार्यवाही के दौरान सचिव उरई विकास प्राधिकरण, पुलिस बल एवं प्राधिकरण प्रवर्तन टीम उपस्थित रही। समस्त विकासकर्ता एवं भवन निर्माणकर्ता से अपेक्षा है कि प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत करवा कर ही अपेक्षित पार्किंग एवं सुरक्षा मानकों का अनुपालन करते हुए निर्माण कार्य करें अन्यथा प्राधिकरण द्वारा नोटिस, सील, अभियोजन एवं ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जा सकती है, जिससे होने वाले किसी क्षति के लिए निर्माणकर्ता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेजे गए आरोपी; 79 लाख बरामद, पांच से छह SBI कर्मी भी शामिल

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में गिरफ्तार सभी आरोपी कोर्ट में पेश किए गए। इस दौरान जिला न्यायालय की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रही।रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण

में गिरफ्तार सभी आठ आरोपियों को शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जिला एवं सत्र न्यायालय फैजाबाद में पेश किया गया। सुनवाई के बाद सभी आरोपियों को 29 जून तक के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। आरोपियों को एसओजी प्रभारी अपनी टीम के साथ न्यायालय लेकर पहुंचे। इससे पहले सभी का पुलिस लाइन स्थित अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया। पेशी के दौरान न्यायालय परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। आरोपियों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजीएम) , सिविल जज जूनियर डिवीजन निवेदिता सिंह के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी पूरे समय न्यायालय परिसर में मौजूद रहे। पेशी के दौरान न्यायालय परिसर में आम लोगों की आवाजाही पर भी निगरानी रखी गई। कोर्ट में सुनवाई के बाद आठों आरोपियों को ले जाया गया। उन्हें अयोध्या जिला जेल भेज दिया गया। सभी को 29 जून तक न्यायिक हिरासत में जेल भेजा दिया गया है।सोमवार को फिर कोर्ट में किया जाएगा पेश सीजेएम कोर्ट में अभियोजन अधिकारी केसी वर्मा ने बताया कि आठ आरोपियों को गिरफ़्तार किया गया है। उन्हें सोमवार तक के लिए रिमांड पर भेजा गया है। सोमवार को फिर से कोर्ट में पेश किया जाएगा। इनके पास से कुल 79 लाख 85 हजार 493 रुपये बरामद किए गए हैं। सुभाष के पास से पैसे नहीं मिले हैं। वह साजि़श में शामिल था। अन्य आरोपियों से अलग-अलग रकम बरामद की गई है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम से जुड़ी स्पेशल कोर्ट आज नहीं बैठी थी। आज कामकाज का दिन नहीं था। चूंकि आज छुट्टी थी, इसलिए सोमवार तक की रिमांड दी गई है। शामिल लोगों में सरकारी कर्मचारी, सरकार से सैलरी पाने वाले लोग और SBI के पांच-छह कर्मचारी भी शामिल हैं।

मोहर्रम पर दिखी फर्रुखाबाद की गंगा-जमुनी तहज़ीब... कांग्रेस नेताओं ने लगाया सबील, जुलूस में शामिल होकर पेश की भाईचारे की मिसाल!

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद -मोहर्रम के अवसर पर शहर कांग्रेस कमेटी ने इंसानियत और आपसी सौहार्द का संदेश देते हुए सबील लगाकर जुलूस में शामिल लोगों और राहगीरों के लिए शरबत व ठंडे पानी की व्यवस्था की। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अंकुर मिश्रा एडवोकेट ने पदाधिकारियों के साथ स्वयं लोगों को शरबत पिलाया। इसके बाद कांग्रेस पदाधिकारी मोहर्रम के जुलूस में शामिल हुए और कर्बला पहुंचकर फर्रुखाबाद की गंगा-जमुनी तहज़ीब और सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल पेश की।
इस दौरान शहर कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष अशोक राठौर, अतीक सलमानी, महासचिव सलीम खान, सचिव शब्बू खान, शारिक, संजय दिवाकर, कोऑर्डिनेटर ऋषभ मिश्रा सहित फ़तेह मोहम्मद, सलमान, अफ़सान, नदीम, आफ़ताब,, निहाल, दीदार, बिलाल, समी अहमद, फ़ते आलम और आमिर समेत कई कार्यकर्ताओं ने सबील की व्यवस्था संभाली।

आटा में विकसित होगा प्रकृति, आस्था और आजीविका का नया केंद्र, तालाबों के कायाकल्प की बनी कार्ययोजना

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा/ जिला पंचायत अध्यक्ष, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया स्थलीय निरीक्षण, 4 एकड़ क्षेत्र में तालाब, पाथवे, वृहद वृक्षारोपण और मत्स्य पालन आधारित विकास की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश जनपद में जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन तथा ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने आज ग्राम पंचायत आटा स्थित शिव शक्ति मंदिर परिसर के निकट तालाब एवं आसपास के क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने शिव शक्ति मंदिर के समीप स्थित तालाब के सौंदर्यीकरण, आकर्षक पाथवे, बैठने की व्यवस्था, हरित विकास एवं अन्य जनोपयोगी सुविधाओं के विकास की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही शिव मंदिर के पीछे जिला पंचायत की लगभग 4 एकड़ भूमि पर नए तालाब की खुदाई, चारों ओर पाथवे निर्माण तथा वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कर इसे एक विकसित हरित एवं प्राकृतिक परिसर के रूप में विकसित किए जाने की योजना बनाई गई। जिलाधिकारी ने ग्रामीण अभियंत्रण सेवा (आरईएस) के अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए कि प्रस्तावित कार्यों का विस्तृत प्राक्कलन शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत किया जाए, ताकि परियोजना को समयबद्ध ढंग से प्रारंभ कराया जा सके।जिलाधिकारी ने कहा कि विकसित किए जाने वाले तालाब का उपयोग मत्स्य विभाग की योजनाओं के अंतर्गत वैज्ञानिक ढंग से मछली पालन के लिए भी किया जाएगा। इससे जल संरक्षण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं आय के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि जनपद में तालाब केवल जल संचयन का माध्यम नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता, ग्रामीण पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के केंद्र के रूप में विकसित किए जाएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी ने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने से आटा क्षेत्र में एक सुंदर प्राकृतिक एवं धार्मिक वातावरण विकसित होगा, जिससे स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा क्षेत्र की पहचान भी मजबूत होगी।
इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी एवं तकनीकी टीम भी उपस्थित रही।

मटेरा पुलिस का अवैध खनन पर बड़ा प्रहार, रात में छापेमारी कर चार ट्रैक्टर ट्राली मिट्टी भरी किया सीज

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरीक सिंह / बहराइच। जनपद के मटेरा थाना क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रात के अंधेरे में चल रहे खनन कार्य का भंडाफोड़ किया।
अंमवा मौलवी और सखौली गांव के बीच लंबे समय से अवैध रूप से मिट्टी खनन किए जाने की सूचना मिल रही थी। इसी क्रम में मुखबिर से मिली सटीक जानकारी के आधार पर थानाध्यक्ष हरकेश सिंह ने पुलिस टीम का गठन कर देर रात छापेमारी की।
पुलिस टीम के मौके पर पहुंचते ही खनन कर रहे लोगों में हड़कंप मच गया।
कार्रवाई के दौरान अवैध खनन में प्रयुक्त चार ट्रैक्टर ट्राली मिट्टी लदी मटेरा थाने में किया गया सीज स्थानीय - सूत्रों के अनुसार उक्त मशीन शंकरपुर चौराहा निवासी उमर की बताई जा रही है। पुलिस द्वारा ट्रैक्टर ट्राली को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।
क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिससे राजस्व को नुकसान पहुंचने के साथ-साथ पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। पुलिस की इस कार्रवाई को अवैध खनन माफियाओं के खिलाफ सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।
थानाध्यक्ष हरकेश सिंह ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अवैध खनन में संलिप्त लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस और राजस्व विभाग द्वारा मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

नदीगांव पुलिस ने सदुपुरा गाँव से पांच जुआरी पकड़े

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार।/ कोंच(जालौन)। कोंच सर्किल के थाना नदीगांव के प्रभारी निरीक्षक शशिकांत चौहान के निर्देशन में थाने के एसएसआई राजकुमार चौधरी दरोगा संदीप सिंह सिपाही राम कुमार बागेश कुमार सुमित यादव सरोज भार्गव और राहुल कुमार आदि को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि ग्राम सदुपुरा में एक जगह पर कुछ लोग जुआ खेल रहे है मुखबिर की सूचना पर विश्वास करते हुये पुलिस टीम ग्राम सदुपुरा गाँव पहुंची गांव के ठाकुर बाबा मंदिर के पीछे खाली जगह पर जुआ खेल रहे पांच लोगों को मौके पर डेरा बंदी कर दबोच लिया है पुलिस ने बताया है कि मौके पर पुलिस को माल फड से नो हजार सात सो रुपए एक तास की पत्ते और 2हजार सात सो रुपए जामा तलाशी में बरामद किए है पुलिस ने केशवेंद्र सिंह निवासी ग्राम घिल्लौर थाना नदीगांव सहित पांच लोग पकड़े गये पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा धारा 13 जी एक्ट में दर्ज कर चालान कर दिया है ।

आबकारी सिपाही भर्ती में 98 पद और बढ़े, अब 722 से बढ़कर 820 पर होगी भर्ती; आवेदन में संशोधन एक जुलाई तक

उत्तर प्रदेश में आबकारी सिपाही भर्ती के पद 722 से बढ़ाकर 820 कर दिए गए हैं, जिससे अभ्यर्थियों को अधिक अवसर मिलेंगे। आवेदन संशोधन की अंतिम तिथि एक जुलाई है। साथ ही फार्मासिस्ट, बीसीजी तकनीशियन

और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भर्तियों के प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं।प्रदेश में आबकारी सिपाही के 722 पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। इसमें 98 पद और जुड़ गए हैं। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अनुसार अब यह संख्या बढ़कर 820 हो गई है। इस तरह अभ्यर्थियों को चयन को और बेहतर अवसर मिल सकेंगे। आयोग की ओर से संशोधित पदों के सापेक्ष आरक्षण की विस्तृत सूचना जारी की गई है। आयोग के सचिव हरिकेश चौरसिया ने कहा है कि इसके अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन, शुल्क जमा, आवेदन सबमिट करने व शुल्क समायोजन के लिए जारी तिथि यथावत रहेंगी। बता दें कि इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन 24 जून तक हुए हैं जबकि शुल्क समायोजन व आवेदन में संशोधन की अंतिम तिथि एक जुलाई है। अभ्यर्थी विस्तृत जानकारी आयोग की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।फार्मासिस्ट भर्ती के प्रवेश पत्र जारी- अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने प्रदेश में फार्मासिस्ट (भेषजिक) के 564 पदों पर चल रही भर्ती के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। आयोग की ओर से इसकी लिखित परीक्षा 29 जून को सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक तीन जिलों में आयोजित की जाएगी। आयोग के परीक्षा नियंत्रक सुभाष प्रजापति ने बताया कि परीक्षा वाले जिलों की सूचना पूर्व में दी जा चुकी है। अभ्यर्थी निर्धारित शुल्क जमाकर अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। वहीं दूसरी तरफ फार्मासिस्ट आयुर्वेदिक के 1002 पदों पर चल रही भर्ती में आयोग ने परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम भी जारी कर दिया है। बीसीजी तकनीशियन भर्ती के प्रवेश पत्र जारी अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने प्रदेश में बीसीजी तकनीशियन के 255 पदों पर चल रही भर्ती के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। आयोग की ओर से इसकी लिखित परीक्षा 30 जून को सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक लखनऊ में आयोजित की जाएगी। आयोग के परीक्षा नियंत्रक सुभाष प्रजापति ने बताया कि परीक्षा जिले की सूचना पूर्व में दी जा चुकी है।अभ्यर्थी निर्धारित शुल्क जमाकर अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। इसी क्रम में 29 जून को लखनऊ में होने वाली उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 93 पदों पर चल रही भर्ती के लिए लिखित परीक्षा के प्रवेश पत्र भी जारी कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी इसे आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। यह सुविधा आयोग के मोबाइल एप पर भी दी गई है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

This two-month remedy can keep you healthy all year long, keeping your sugar and liver health in check.

Jamun contains vitamin C, fiber, potassium, iron, and anthocyanins, which help protect cells from oxidative stress. This fruit, available for approximately two months of the year, can provide numerous benefits. it offers an abundance of fruits health benefits. Jamuns are summer and fall. Fresh jamuns months, after which their season precious gift from nature to sour taste can provide the body and natural plant compounds. two months can provide you fruit can be very beneficial for digestive health to reducing can help you stay healthy year- see its benefits - Medical reports potassium, iron, and oxidative stress. Its bioactive blood sugar, improving body. The antioxidants present which can help protect cells from contribute to maintaining a nutritionists recommend eating monsoon season. Anthocyanins

Whether you like the summer season or not, and vegetables that can provide significant readily available in the market during the are typically available for approximately two ends. Health experts consider jamuns a humanity. This small fruit with a sweet and with many essential nutrients, antioxidants, Nutritionists say that consuming jamuns for with excellent health for the entire year. This everything from liver health to diabetes, inflammation. This simple two-month remedy round. Eat berries for two months and then show that berries contain vitamin C, fiber, anthocyanins, which help protect cells from compounds may be beneficial in controlling digestion, and reducing inflammation in the in berries reduce free radicals in the body, damage. Being rich in fiber, berries also healthy digestive system. This is why many berries in limited quantities during the make them powerful - Jamuns primarily contain a powerful antioxidant called anthocyanin, which gives them their deep purple and attractive color. This compound provides Jamun with natural protection and is responsible for numerous health benefits. Anthocyanins improve insulin sensitivity and prevent blood sugar spikes. Anthocyanins are strong antioxidants that neutralize free radicals in the body, protecting cells from damage. This can help prevent many chronic diseases. Also beneficial for diabetics: Several studies show that natural compounds present in Jamun seeds and fruit can improve glucose metabolism. This fruit is a boon for diabetic patients, but it should not be considered a substitute for medication. Fiber-rich Jamun also maintains proper intestinal function and can help with regular bowel movements, a problem more common in diabetic patients. Also know these benefits of Jamun: Consuming Jamun can provide you with many other health benefits. It helps boost immunity. Vitamin C and other nutrients contribute to the normal functioning of the body's immune system. The potassium and antioxidants present in berries help control blood pressure and maintain healthy blood vessels. Being low in calories and rich in fiber, berries help keep you feeling full, thus aiding weight loss.

Is your child also suffering from diabetes? How to identify it?

Type 1 diabetes has long been seen in children, while obesity, physical inactivity, and unhealthy eating habits are also leading to the development of type 2 diabetes at a younger age. Is your child also suffering from diabetes? Diabetes is a serious but a large number of people also die due to comorbidities considered an adult disease, but now the picture is rapidly diabetes are increasing among young children and most discussed issue. However, medical reports indicate are also increasing the risk of type 2 diabetes. Now the Children are also falling prey to diabetes - According to suffering from type 1 diabetes worldwide. An estimated diabetes. Furthermore, cases of type 2 diabetes and pre-adolescents is 16.18%, and the rate of diabetes is 0.56%. are initiated, most children can be saved from the close attention to changes in their child's daily routine, Health experts say that children are at higher risk of type in recent years, cases of type 2 diabetes have also junk food, sugary drinks, lack of outdoor play, and These conditions can lead to diabetes. Furthermore, overweight, not participating in outdoor sports, or having you know if your child is a victim? Health experts say to symptoms. If a child is drinking more water than usual starts urinating more frequently than before, be alert.

disease seen globally. Not only are millions of patients diagnosed each year, caused by diabetes. Until a few decades ago, diabetes was primarily changing. In many countries around the world, including India, cases of adolescents. When it comes to childhood diabetes, type 1 diabetes is the that increasing obesity, physical inactivity, and poor eating habits in children question is, is your child also a victim of this? How can we identify it? medical reports, India has the highest number of children and adolescents 300,000 children and adolescents (aged 19 years) are suffering from type 1 diabetes are also rapidly increasing. The rate of pre-diabetes among Doctors say that if symptoms are identified early, testing and treatment complications caused by diabetes. It is important for all parents to pay diet, and physical condition. Which children are at higher risk of diabetes? 1 diabetes, in which the body is unable to produce enough insulin. However, increased due to obesity and lifestyle-related conditions. Urban lifestyles, increasing obesity are increasing the risk of metabolic problems in children. children with a family history of diabetes may be at higher risk. Being certain autoimmune conditions also increase the risk of diabetes. How do that in children at high risk of diabetes, it's important to pay close attention but still remains thirsty, it could be a sign of high blood sugar. If a child Weight loss and constant hunger despite adequate food intake could be a sign of the body's inefficient use of glucose. If your child is tired or lethargic and shows a decreased interest in sports, this could be an early sign of diabetes. If your child is experiencing these problems, consult a doctor promptly and get tested.

These factors make weight loss difficult; simply reducing food intake won't suffice.

Experts agree that a balanced diet, regular physical activity, adequate sleep, and stress management are essential for weight loss. If even one of these problems persists, losing weight can be difficult. Weight gain is one of the most common People often follow diets, go to the gym, and walk weight loss. Disappointment is natural, but the or exercising more. The body's metabolism, play a significant role. If you're trying to lose understand where the problem lies. Why aren't physical activity, adequate sleep, and stress of these can make this task quite difficult. When overlook habits like sugary drinks, frequent understand where the problem lies. Are you that eating less is actually reducing calories. contribute to the body's excess calories. If the weight loss can be difficult. Lack of sleep can will lead to weight loss, be careful. Adequate associated with hunger and satiety. This can and increase calorie intake. These things can Constant mental stress can increase unhealthy you spend all your time sitting, this can also make walking is important. In some people, hormonal make weight loss difficult.

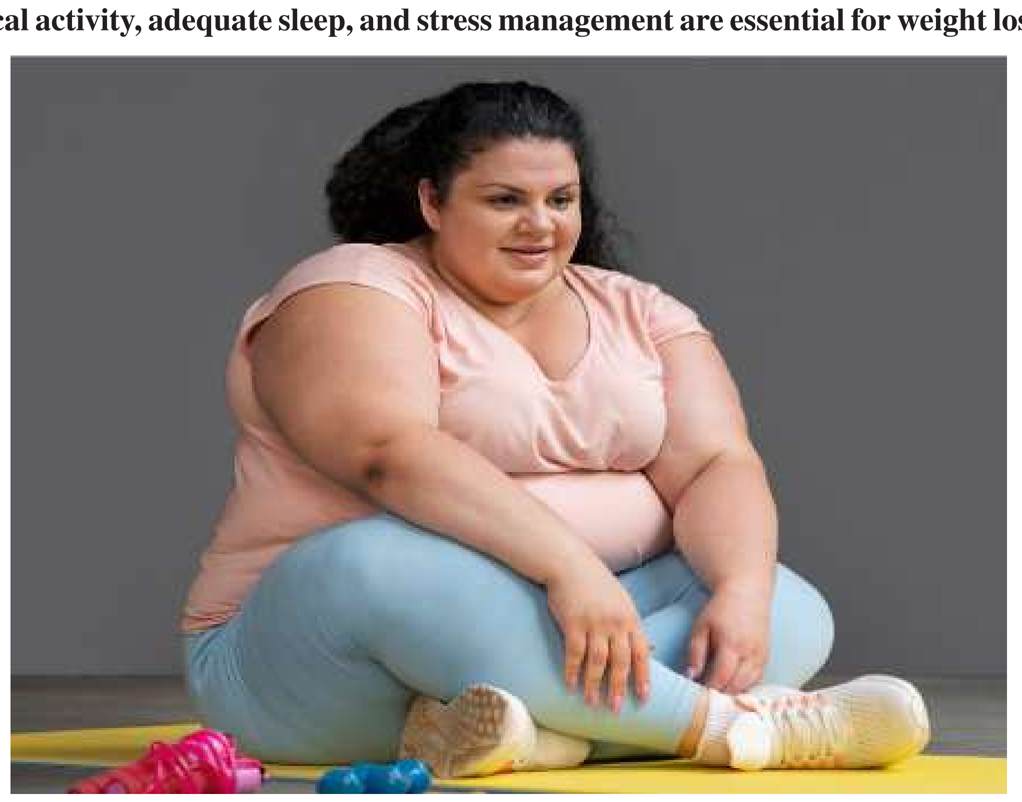

problems today, and losing it is even more challenging. for months to lose weight, yet they still don't see the expected truth is that weight loss isn't simply achieved by eating less hormones, sleep, stress, dietary quality, and daily habits also weight but still aren't seeing any results, it's important to you losing weight? Experts say that a balanced diet, regular management are essential for weight loss. A lack of even one it comes to weight loss, people often focus on calories, but snacking, lack of sleep, and prolonged sitting. Let's unknowingly consuming high calories? People often think However, snacks, sweetened drinks, and sauces also body continues to receive excess calories for a long time, also hinder weight loss. If you think that simply eating less sleep is also essential. Lack of sleep can affect the hormones make you feel more hungry, increase cravings for sweets, make weight loss difficult. Know these problems too. eating habits in many people. This leads to weight gain. If weight loss difficult. Staying active throughout the day, imbalance and consumption of certain medicines can also

"This is just the beginning"; Arjun Kapoor immersed in the celebrations of his sister's wedding; shared photos from the pre-wedding ceremony.

Anshula Kapoor is about to tie the knot. Her pre-wedding festivities have begun. Brother Arjun Kapoor is extremely excited. He shared a post on social media and wrote a note for his sister.

Actor Arjun Kapoor's begin a new chapter in married to Rohan ceremonies have begun The Thakkar family immersed in sister's wedding, Arjun social media. Arjun Arjun Kapoor shared a shared some photos ceremony and a note, sister's excitement for wrote, "Ansh, this is just evening has passed, and I'm so happy for both of celebrations to begin." Anshula's father, Boney Sanjay Kapoor and Khushi, and Shanaya. overjoyed. Arjun devotional songs Arjun Kapoor is seen pyjama with beautiful

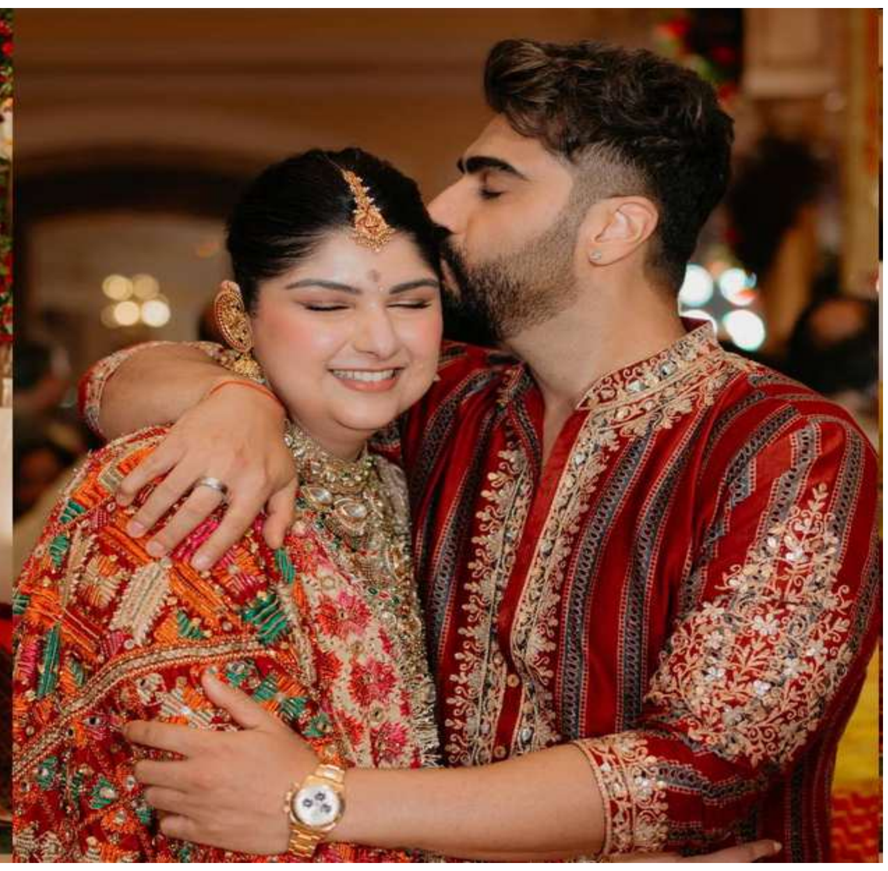

sister Anshula is about to her life. She is getting Thakkar. Pre-wedding with the Mata ki Chowki. and the Kapoor family are celebration. Before his Kapoor shared a post on Kapoor shared photos - post on Instagram. He from Anshula's pre-wedding which gives an idea of ??his her wedding. Arjun Kapoor the beginning!" Just one I know this time will fly by. you. Can't wait for the The shared photos show Kapoor, uncle and aunt, Maheep, and sisters, Janhvi, The entire family is Kapoor is seen dancing to dedicated to the goddess. wearing a red-colored kurta-embroidery. He posed for photos with Anshula. Anshula is the daughter of Boney Kapoor and Mouna Shorey. Janhvi Kapoor, Khushi Kapoor, and several other family members were present at Anshula's pre-wedding function.

Is the second season of "Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi" coming to an end? Speculation rages about the serial

Rumors are rife that the second season of the popular TV serial "Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi" is about to end. However, no official announcement has been made by the makers.

Smriti Irani's serial "Kyunki Saas Bhi audience. The first season was a huge hit. popular among viewers. It also held a its TRP has suffered a setback in the last are circulating about the serial. Will end? "Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi" drama. Rio's entry has seemingly stirred Meanwhile, a new surprise has emerged: rumors are circulating that the show is on going viral on social media. However, it officially confirmed by the makers or moving forward by 10 years

On one hand, rumors of the serial's closure the show will take a ten-year leap. The story that Tulsi may leave the serial, handing generation. Vrinda could be appointed 'Kyunki 2...' is experiencing some twists expected. However, rumors of its closure

Kabhi Bahu Thi" is loved by the The second season also proved quite strong position in the TRP race. However, few weeks. Meanwhile, various rumors "Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi" is currently experiencing a lot of family tension within the Virani family. Parth and Rio are in cahoots. Meanwhile, the verge of closure, with posts about it should be clarified that this has not been anywhere else. Discussion of the story

are rife. Meanwhile, it is being said that will undergo a change. It is also possible over her legacy to someone in the next Tulsi's successor. Makers worried - and turns that suggest some changes are on social media have disappointed a large section of viewers. People are expressing concern and urging the makers not to do so.

Akshay Kumar reveals what kind of role he wants to play and who delivered the best comedy in "Welcome to the Jungle"

"Welcome to the Jungle" is releasing in theaters on June 26th. Before the film's release, Akshay Kumar revealed which actor or actress delivered the best comedy in his film. Akshay Kumar was recently seen in the film "Bhoot Bangla." After scaring people with that film, Akshay is preparing to make his fans laugh. He will now be seen in "Welcome to the Jungle," which is also releasing in theaters soon. Before the film's release, Akshay Kumar made some revelations about the film. He praised Farida Jalal, saying that she delivered the best comedy in the film. Akshay said, "There are many great actors in the film alongside me, but after watching the film, the first thing the audience will remember is Farida ji. Her work in this film is absolutely amazing." Akshay further said, "I have seen this film not once or twice, but at least 35 times, so I can say with full confidence that his performance is the best. After him, Kiran Kumar ji's work is also excellent." Farida Jalal will be seen in "Welcome to the Jungle" - Veteran actress Farida Jalal is ready to make audiences laugh once again. She will soon be seen in the film "Welcome to the Jungle." Audiences loved her comedy in the TV show "Shararat." She has appeared in many films, so fans are very eager to see her in this film. What kind of role does Akshay want to play? Akshay Kumar told PTI in an interview that in his first 10 years in Bollywood, he worked only as an action hero and earned a lot of money. After this, Akshay did all kinds of films like comedy, action, and romance. He wants to play a different character every time. He wants to do

something new every time. Star cast and release date of the film - Directed by Ahmed Khan, this film has more than 30 actors including Akshay Kumar. Many big stars like Sunil Shetty, Disha Patani, Jacqueline Fernandez, Arshad Warsi, Paresh Rawal, Raveena Tandon, Johnny Lever and Rajpal Yadav will be seen in this film. This multi-starrer comedy film is going to be released in theatres on 26 June.